PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 321 ● भिलाई, सोमवार 06 जुलाई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार, 'चोला माटी के हे राम' गीत के बीच नम आंखों से दी विदाई

# पद्म विभूषण तीजन बाई पंचतत्व में विलीन

**दुर्ग।** पद्म विभूषण और पद्मश्री से सम्मानित प्रसिद्ध पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई रविवार दोपहर पंचतत्व में विलीन हो गई. उनके गृहग्राम गनियारी स्थित मुक्तिधाम में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया. इस दौरान हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी.

अंतिम संस्कार के दौरान लोक कलाकारों, शिष्यों और उपस्थित जनसमूह ने **चोला माटी के हे राम, एकर का भरोसा** गीत गाकर अपनी प्रिय लोकगायिका को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. पूरा वातावरण गमगीन हो गया और हर आंख नम नजर आई. डॉ. तीजन बाई को उनके मंझले बेटे दिलहरण पारधी ने मुखाग्नि दी. इस दौरान उनके पति तुलसी राम देशमुख भी मौजूद रहे. बताया गया कि तीजन बाई की अंतिम इच्छा थी कि वे सुहागिन के रूप में ही इस दुनिया से विदा लें.अंतिम दर्शन के लिए राजनीति और कला जगत की कई हस्तियां पहुंचीं. इनमें पद्मश्री उषा बारले, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत अनेक जनप्रतिनिधि, कलाकार और उनके शिष्य शामिल रहे. सभी ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर छत्तीसगढ़ की इस महान लोक कलाकार को अंतिम प्रणाम किया. डॉ. तीजन बाई का जीवन संघर्षों से भरा रहा. साधारण परिवार में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने बचपन से ही पंडवानी के प्रति अपने जुनून और समर्पण के दम पर देश-दुनिया में अलग पहचान बनाई. अपनी अद्वितीय प्रस्तुति शैली से उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोककला को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया. उनके निधन से लोक संस्कृति जगत को ऐसी क्षति हुई है, जिसकी भरपाई करना कठिन माना जा रहा है.

## करोड़ों दिलों पर गूंजती रहेगी तंबूरे की तान और बुलंद आवाज : साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध पंडवानी गायिका और पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस दुखद खबर से हम सभी को गहरा आघात लगा है। उन्होंने प्रदेश की समृद्ध कला और संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पंडवानी की पहचान डॉ. तीजन बाई से थी। साव ने कहा कि उनका जाना देश के लिए और छत्तीसगढ़ के लिए अपूरणीय क्षति है, जिसकी कभी भरपाई नहीं हो सकेगी। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। करोड़ों दिलों पर तंबूरे की तान एवं बुलंद आवाज गूंजती रहेगी। साव ने कहा कि डॉ. तीजन बाई की पंडवानी प्रस्तुति अद्भुत थी। अपनी बुलंद आवाज, अभिनय, लयबद्धता और सहयोगियों के संगीत से वे ऐसी प्रस्तुति देती थी जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने पंडवानी के जरिए छत्तीसगढ़ की संस्कृति को देश और विदेश में प्रसारित किया। गांवों में आज भी उनकी पंडवानी कथा अमर है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मैं परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें। उनके सभी परिजनों और चाहने वालों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।

### तीजन बाई का जाना कला और संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है : पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीजन बाई के निधन पर शोक जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोक कला को अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में पहचान दिलाई। उनका जाना कला और संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों और प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति!

*पद्म विभूषण डॉ तीजन बाई के निधन पर वित्त मंत्री चौधरी ने जताया गहरा शोक–* वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की अमर गाथाकार, पद्मश्री, पद्मभूषण एवं पद्मविभूषण से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय पंडवानी डॉ. गायिका तीजन बाई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। चौधरी ने कहा कि तीजन बाई का निधन छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और भारतीय कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

### फूल अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसपी विजय अग्रवाल, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, विधायक डोमलाल कोर्सेवाड़ा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों ने तीजन बाई के पार्थिव शरीर पर फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपनी अद्वितीय प्रस्तुति शैली से पंडवानी को देश ही नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई।

### डॉ. तीजन बाई का निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति – मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर पहुंचकर पद्म विभूषण से सम्मानित विश्वविख्यात पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय कला-साधना और विलक्षण प्रतिभा से उन्होंने पंडवानी को विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई तथा छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया। डॉ. तीजन बाई का निधन छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### दिल्ली सरकार ने खत्म की वर्क फॉम होम व्यवस्था

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में हालात सामान्य होने के बाद दिल्ली सरकार ने सरकारी कार्यालयों में लागू विशेष व्यवस्थाएं समाप्त करने का फैसला किया है। इसके तहत बुधवार और शनिवार को लागू वर्क फ्रॉम होमव्यवस्था वापस ले ली गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी) के सभी कार्यालयों के कार्य समय में भी संशोधन किया गया है। नए आदेश के अनुसार, अब दिल्ली सरकार के सभी कार्यालय सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक नियमित रूप से संचालित होंगे। वहीं, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कर्मचारियों के लिए पहले से निर्धारित सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक का कार्य समय यथावत रहेगा और उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार ने कहा कि सुरक्षा स्थिति सामान्य होने और प्रशासनिक कार्यों को पूरी क्षमता के साथ संचालित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। नए आदेश के लागू होने के बाद सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को नियमित रूप से कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी जिम्मेदारियां निभानी होंगी।

### बाबा बर्फानी के दर्शनों को उमड़ा आस्था का सैलाब

**पहलगाम।** वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा 2026 अब पूरी रफ्तार पकड़ चुकी है। सुबह जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास बेस कैंप से श्रद्धालुओं का तीसरा जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पवित्र गुफा के लिए रवाना हुआ। वहीं, पहलगाम के नुनवान बेस कैंप से श्रद्धालुओं के दूसरे जत्थे ने दक्षिण कश्मीर हिमालय स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा की पैदल यात्रा शुरू की। यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। जगह-जगह सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ निगरानी बढ़ाई गई है। श्रद्धालुओं ने सुरक्षा इंतजामों की सराहना करते हुए कहा कि व्यापक प्रबंधों के चलते उन्हें पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षित महसूस हो रहा है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों और आपात स्थितियों से निपटने के लिए उधमपुर स्वास्थ्य विभाग ने भी विशेष तैयारियां की हैं।

### काशी विश्वनाथ मंदिर में पीएसी जवान की कार्बाइन से चली गोली

**वाराणसी।** श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर-4बी के पास सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ड्यूटी पर तैनात पीएसी के एक जवान की कार्बाइन से कथित तौर पर अचानक गोली चल गई। गोली पत्थर से टकराने के बाद उसके छर्रे और गिट्टियां आसपास मौजूद श्रद्धालुओं की ओर उछल गईं, जिससे तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद मंदिर परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल स्थिति पर नियंत्रण पा लिया।

### पीएम मोदी का इंडोनेशिया दौरा

## क्या चीन की नींद उड़ा देगी ब्रह्मोस मिसाइल डील..... ?

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय दौरे पर रवाना होने वाले हैं, जिसके तहत वे इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा करेंगे। इस पूरी यात्रा में सबसे अधिक वैश्विक ध्यान इंडोनेशिया दौरे पर टिका है, क्योंकि माना जा रहा है कि इस दौरान भारत और इंडोनेशिया के बीच बहुप्रतीक्षित ब्रह्मोस मिसाइल सौदे पर अंतिम मुहर लग सकती है। भारत और इंडोनेशिया के बीच ब्रह्मोस मिसाइल की यह डील काफी लंबे समय से चर्चा में रही है और अब यह अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। सूत्रों के अनुसार, दोनों देशों ने एक 'डिफेंस इंडस्ट्री कोऑपरेशन कमेटी' का भी गठन किया है, जो न केवल मिसाइल आपूर्ति बल्कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, जॉइंट रिसर्च और सप्लाई चैन को मजबूत करने पर भी काम करेगी। यह डील केवल व्यापारिक दृष्टिकोण से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इसके गहरे सामरिक मायने भी हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया में चीन का बढ़ता सैन्य प्रभाव और विस्तारवाद क्षेत्र के अन्य देशों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। विशेष रूप से दक्षिण चीन सागर में चीन के दावों और उसकी बढ़ती नेवल मौजूदगी के बीच, ब्रह्मोस जैसे घातक हथियार छोटे देशों की रक्षा क्षमता को काफी बढ़ा देंगे। यह मिसाइल चीन के जहाजों से सीधा मुकाबला किए बिना ही लंबी दूरी से उन्हें सटीक निशाना बनाने की क्षमता रखती है।

इंडोनेशिया के इस लिस्ट में शामिल होते ही वह फिलीपींस और वियतनाम के बाद ब्रह्मोस का तीसरा दक्षिण-पूर्व एशियाई ऑपरेटर बन जाएगा। उल्लेखनीय है कि फिलीपींस पहले ही ब्रह्मोस की बैटरी खरीद चुका है और वियतनाम के साथ लगभग 5,800 करोड़ रुपये का सौदा हो चुका है। इसके अलावा मलेशिया और थाईलैंड ने भी इस मिसाइल प्रणाली में अपनी गहरी दिलचस्पी दिखाई है।

### पाकिस्तान के 23 नागरिक उपा के तहत आतंकी घोषित, उपा के तहत गृह मंत्रालय का बड़ा एक्शन

**नई दिल्ली।** भारत सरकार ने पाकिस्तान में सक्रिय आतंकियों के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत 23 लोगों को आतंकवादी घोषित किया है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, ये सभी प्रतिबंधित आतंकी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद लश्कर-ए-तैयबा और अन्य संगठनों से जुड़े हुए हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार, इन आतंकियों पर जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के लिए युवाओं की भर्ती, सीमा पार घुसपैठ, आतंकियों को प्रशिक्षण देने, ड्रोन के जरिए हथियार और विस्फोटक पहुंचाने तथा भारत में आतंकी हमलों की साजिश रचने के आरोप हैं।

घोषित किए गए 23 आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद के तीन करीबी सहयोगियों के नाम भी शामिल हैं।

### राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर अब मोहन भागवत की एंट्री

## दत्तात्रेय होसबले के बाद संघ प्रमुख मोहन ने भी तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली/ एजेंसी

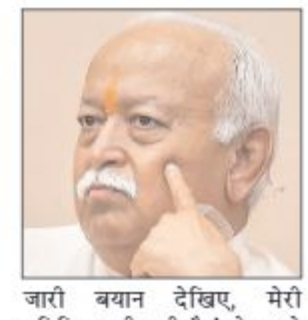

राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी मामले बीते दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पहली बार आधिकारिक प्रतिक्रिया देते हुए घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया था. संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि इस घटना से करोड़ों रामभक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं और दोषियों के खिलाफकड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए. वहीं, अब दत्तात्रेय होसबाले के इस बयान पर संघ प्रमुख मोहन भागवत की भी प्रतिक्रिया सामने आ गई है. उन्होंने कहा कि वो सरकार्यवाह के बयान से सहमत हैं. नागपुर में मीडिया के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद वाले सवाल पर संघ प्रमुख ने कहा, 'होसबाले द्वारा जारी बयान देखिए, मेरी प्रतिक्रिया भी वही है.' होसबाले ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा था कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की घटना ने राम भक्तों और पूरे समाज की आस्था को गहरी ठेस पहुंचाई है. उन्होंने कहा था कि जांच में दोषी पाए जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति को कड़ी सजा मिलनी चाहिए. दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर यूपी सरकार ने एसआईटी का गठन किया है और उसकी संस्तुतियों के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू की है. उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए. इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए ट्रस्ट से मंदिर के प्रबंधन और संचालन व्यवस्था में मौजूद सभी कमियों को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपेक्षा जताई. सरकार्यवाह होसबाले ने दावा किया था, 'हिंदू विरोधी और राष्ट्रविरोधी ताकतें इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का फायदा उठाकर हिंदू धर्म को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं.'

### रातभर पेड़ पर बिताई रात, सुबह सुरक्षित निकाले गए

## बगनई नदी में फंसे 14 मजदूरों को सुरक्षित सफल रेस्क्यू किया

गरियाबंद। संवाददाता

बगनई नदी के आए बाढ़ से निर्माणाधीन पुल में काम करने वाले मजदूर फंस गए. जानकारी मिलने पर एनडीआरएफऔर पुलिस बल ने फंसे हुए 14 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला. इन मजदूरों ने सुरक्षित बाहर निकाले जाने तक पेड़ का सहारा लेकर अपनी जान बचाई. रेस्क्यू के दरम्यान कलेक्टर-एसपी समेत जिले का प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद था. विकासखंड छुरा के अंतिम वनांचल क्षेत्र स्थित ग्राम बीजापाल में बगनई नदी पर निर्माणाधीन पुल के कार्य में लगे 14 मजदूर में नदी में अचानक आए तेज बहाव के कारण फंस गए. लगातार हुई बारिश से नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया, जिससे मजदूरों को अपनी जान बचाने के लिए नदी किनारे मौजूद एक पेड़ का सहारा लिया. सभी मजदूरों ने पूरी रात पेड़ पर ही बिताई और सुबह तक राहत एवं बचाव दल के पहुंचने का इंतजार किया. फंसे हुए मजदूरों में 10 पुरुष एवं 4 महिलाएं शामिल थीं. घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हुआ, लेकिन नदी का बहाव तेज होने की वजह से रात के समय उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना संभव नहीं था. इसलिए सुबह होते ही बचाव अभियान शुरू किया गया. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गरियाबंद जिला प्रशासन और महासमुंद जिला प्रशासन ने संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाया. महासमुंद से पहुंची विशेष रेस्क्यू टीम ने स्थानीय प्रशासन के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया. समय रहते राहत कार्य शुरू होने से एक बड़ी अनहोनी टल गई. रेस्क्यू अभियान के दौरान गरियाबंद कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, थाना प्रभारी तथा ग्राम पंचायत के सरपंच सहित प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद रहा. अधिकारियों ने लगातार स्थिति की निगरानी करते हुए बचाव दल को आवश्यक निर्देश दिए. स्थानीय ग्रामीणों ने भी प्रशासन और रेस्क्यू टीम के प्रयासों की सराहना की. सभी मजदूरों के सुरक्षित बाहर निकलने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली. क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए नदी-नालों के आसपास रहने वाले लोगों और निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है.

### छुरा में ढहा कुसुमबोड़ा पुल, दर्जनभर गांवों का संपर्क टूटा

छत्तीसगढ़ में मानसूनी गतिविधियां तेज हो रही हैं. प्रदेश के सभी संभागों के अधिकांश जिलों में पिछले 24 घंटों में जमकर बारिश हुई. आसमान में काले बादलों ने डेरा डाला हुआ है. भारी बारिश के कारण गरियाबंद जिले के कुसमी-छुरा मार्ग पर पुराना कुसुमबोड़ा पुल टूट गया है. दर्जनभर गांव का छुरा मुख्यालय से संपर्क टूट गया है, जिससे आवाजाही पूरी तरह से थम गई है.

### जलमग्न हुआ इलाका लोगों के घरों में नाले का गंदा पानी

*रायपुर. मानसून की पहली ही तेज बारिश ने रायपुर नगर निगम की तैयारियों और दावों की पूरी तरह पोल खोलकर रख दी है. शहर के मोवा स्थित आदर्श नगर, स्ट्रीट नंबर-8 में हालात बद से बदतर हैं. उफनते नाले और जलभराव ने लोगों का जनजीवन ठप कर दिया है. लोगों के घरों में नाले का गंदा पानी घुस गया है. स्थिति इतनी गंभीर है कि सड़क और नाले में अंतर करना मुश्किल हो गया है. लोग जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने को मजबूर हैं, जबकि निगम की व्यवस्थाएं पूरी तरह नाकाम नजर आ रही हैं. हर साल बारिश से पहले नगर निगम बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन जमीनी हकीकत पहली बारिश में ही सामने आ जाती है. करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद जल निकासी की व्यवस्था पूरी तरह फेल साबित हुई है ।*

# पता पूछने के बहाने 2 युवक का अपहरण, 9 घंटे तक बंधक बनाकर चाकू की नोक पर लूटपाट और मारपीट

## बालोद से दुर्ग तक छह बदमाशों का तांडव : बेरहमी से पीटा, 68 हजार की लूट, जबरन बनवाया झूठा वीडियो; पुलिस जांच में जुटी

**बालोद।** जिले के डौंडी थाना क्षेत्र में अपहरण, लूट और मारपीट की एक ऐसी सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है। छह अज्ञात बदमाशों ने आधी रात दो युवकों को पता पूछने के बहाने रोका, फिर चाकू की नोक पर उनका अपहरण कर लिया। इसके बाद पूरी रात करीब नौ घंटे तक दोनों को बंधक बनाकर बालोद, दल्लीराजहरा, राजनांदगांव और दुर्ग तक घुमाते रहे। इस दौरान आरोपियों ने बेरहमी से मारपीट की, नकदी, मोबाइल और जेवर लूट लिए तथा चाकुओं के बीच बैठाकर जबरन ऐसा वीडियो बनवाया, जिसमें दोनों से स्कूटी चोरी करने की झूठी बात कबूल करवाई गई। डौंडी पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर अज्ञात छह आरोपियों के खिलाफ अपहरण, लूट, मारपीट और जान से मारने की धमकी सहित विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।रात साढ़े 11 बजे लौट रहे थे घर, रास्ते में बना लिया निशाना-डौंडी के शिक्षक




कॉलोनी निवासी करण कुर्रे पिता रोशन कुर्रे (21) ने पुलिस को बताया कि वह आईटीआई शिक्षित है और एकलव्य विद्यालय डौंडी में इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस का कार्य करता है। एक जुलाई की रात करीब साढ़े 11 बजे वह अपने बुआ के बेटे दिव्य बंदे के साथ मोटरसाइकिल छत्त-19 ब्रक्र2004 सुपर स्प्लेंडर से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से अपने घर लौट रहा था। जनपद पंचायत डौंडी से आईटीआई जाने के पास एक सफेद स्कूटी और काली मोटरसाइकिल में सवार छह युवकों ने उन्हें रोककर किसी पते के बारे में पूछना शुरू किया। दोनों युवक कुछ समझ पाते, इससे पहले आरोपियों ने चाकू निकाल लिया और उन्हें धमकाते हुए मोबाइल, बैग और अन्य सामान छीन लिया। इसके बाद दोनों का जबरन अपहरण कर अपने साथ ले गए।बालोद से दुर्ग तक घुमाते रहे, हर जगह की मारपीट-पीड़ितों के अनुसार, आरोपी उन्हें पहले सुनसान इलाके में ले गए, जहां जमकर मारपीट की। इसके बाद पूरी रात उन्हें अलग-अलग स्थानों पर घुमाया गया। दल्लीराजहरा, गिधाली, राजनांदगांव, नगपुरा, कुरूद, सुपेला, ग्रीन चौक और पुलगांव तक ले जाकर बार-बार मारपीट की गई। कुरूद में आरोपियों ने गांजा पीते हुए दोनों को फिर पीटा और लगातार धमकाते रहे। सुपेला की एक सुनसान कॉलोनी में ले जाकर करण के हाथ से तीन चांदी की अंगूठियां, एक चांदी का ब्रेसलेट, पर्स में रखे पांच हजार रुपये नकद, दो मोबाइल फोन और रेडमी कंपनी का पावर बैंक भी लूट लिया। मोबाइल से जबरन 18,180 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराए-आरोपियों ने करण का मोबाइल अपने कब्जे में लेकर उसके पेटीएम अकाउंट से एक अज्ञात बैंक खाते में 18 हजार रुपये, फिर 180 रुपये जबरन ट्रांसफर करा दिए। इस तरह नकदी, ऑनलाइन ट्रांसफर, मोबाइल, जेवर और अन्य सामान मिलाकर 68 हजार 180 रुपये से अधिक की लूट को अंजाम दिया गया।चाकुओं के बीच बैठाकर बनवाया झूठा कबूलनामा-पीड़ितों ने बताया कि पुलगांव के पास आरोपियों ने उनके सामने पांच-छह चाकू रख दिए और जान से मारने की धमकी देते हुए वीडियो रिकॉर्ड किया। वीडियो में उनसे जबरन यह कहलवाया गया कि उन्होंने स्कूटी चोरी की थी और उसे बेचने आए थे। आरोपियों ने धमकी दी कि यदि पुलिस में शिकायत की तो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर देंगे और जान से मार देंगे।

सुबह पुलगांव में छोड़कर भागे आरोपी-करीब सुबह आठ बजे आरोपी दोनों युवकों को उनकी मोटरसाइकिल के साथ पुलगांव नाले के पास छोड़कर फरार हो गए। घर पहुंचने के बाद दोनों ने पूरी घटना परिजनों को बताई और तत्काल डौंडी थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। मारपीट में करण कुर्रे की दाहिनी आंख, कनपटी, पसलियों और दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि दिव्य बंदे की आंख, हाथ और पीठ पर चोटें आई हैं। दोनों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है। डौंडी पुलिस ने अज्ञात छह आरोपियों के खिलाफ अपहरण, लूट, मारपीट, धमकी और अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है।

# पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में कबाड़ी दुकानों की हुई औचक चेकिंग

**बलौदाबाजार।** अपराध एवं अपराधियों पर लगाम कसने तथा अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से 03 जुलाई को पुलिस अधीक्षक ओ.पी.शर्मा के निर्देशन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित कबाड़ी दुकानों की सघन चेकिंग का एक विशेष अभियान चलाया गया। ?इस औचक निरीक्षण अभियान के तहत संबंधित थाना और चौकी की पुलिस टीमों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय कबाड़ दुकानों पर दबिश दी गई। दस्तावेजों की जांचः चेकिंग के दौरान पुलिस टीमों द्वारा कबाड़ संचालकों के व्यावसायिक लाइसेंस, स्टॉक पंजी (रजिस्टर) और क्रय-विक्रय से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की बारकी से जांच की गई। संदेहास्पद सामानों की पड़तालः दुकानों में रखे कबाड़ के सामानों का मिलान किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं कोई चोरी का माल या प्रतिबंधित सामग्रियां वहां न छिपाई गई हों। कड़ी हिदायतः पुलिस द्वारा सभी कबाड़ संचालकों को सख्त चेतावनी दी गई कि वे बिना पहचान पत्र (आईडी प्रूफ) के किसी भी अज्ञात व्यक्ति से कोई सामान न खरीदें। यदि कोई संदेहास्पद व्यक्ति सामान बेचने आता है, तो उसकी सूचना तत्काल संबंधित थाने को दें। पुलिस अधीक्षक का संदेशः- अवैध कबाड़ का कारोबार और चोरी के माल की खरीदी-बिक्री किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले और अवैध रूप से दुकान संचालित करने वाले कबाड़ियों के खिलाफ आगे भी कानूनी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।÷ ?पुलिस की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई से अवैध कबाड़ का धंधा करने वाले असामाजिक तत्वों में हड़कंप का माहौल है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

# पेपर लीक के खिलाफकांग्रेस का अभियान तेज, जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने छात्रों को दिखाया राहुल गांधी का संवाद

**गरियाबंद।** देश भर में लगातार नीट सहित कई परीक्षाओं के पेपर लीक मामले की गूंज कांग्रेस पार्टी ने गरियाबंद जिले के गांव गांव में पहुंचना शुरू कर दिया है बाकायदा इसकी कमान स्वयं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुखचंद बेसरा संभालते आज देवभोग मुख्यालय से इसकी शुरुवात किया स्थानीय विश्रामगृह में बेसरा कालेज के छात्र के साथ युवाओ के बीच विपक्षी नेता राहुल गांधी द्वारा राजस्थान में बच्चों के साथ किए करीब ढाई घंटा के संवाद को लैपटॉप पर दिखाते पेपर लीक और उससे बच्चों द्वारा कर रहे आत्म हत्या जैसे तमाम बिंदुओं पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बेसरा ने बारीकी से बताया और कांग्रेस सिपाहियों को इस मुद्दा को हर युवा तक पहुंचाने की अपील किया बेसरा ने आगे यह भी



कहा कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने लाखों छात्रों के भविष्य को तबाह कर दिया है महंगाई के दौर में गरीब माता पिता तरह तरह का कर्ज लेकर अपने बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सालों साल पढ़ाते हैं और उम्मीद सजाए होते हैं उनका बच्चा परीक्षा में पास होकर अपनी भविष्य सवारने के साथ साथ घर स्तिथि को भी बदलेगा लेकिन केंद्र सरकार के संरक्षण में ऐसे परीक्षाओ का पेपर लीक हो रहा है जिसके चलते आज पालको को आर्थिक और बच्चों मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है फिर भी निर्लज सरकार जिम्मेदारी नहीं ले रही है जबकि दिल्ली जंतर मंतर से लेकर हर राज्य युवा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का मांग रहे हैं बेसरा ने छात्रों और अभिभावकों से संवाद करते हुए परीक्षा प्रणाली में सुधार पेपर लीक की घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई तथा युवाओं के भविष्य की सुरक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया उन्होंने बताया कि कांग्रेस का यह जनजागरण अभियान जिले के अन्य गांवों और कस्बों में भी चलाया जाएगा जहां छात्रों और अभिभावकों को इस विषय पर जागरूक किया जाएगा कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष राजेश तिवारी पार्षद सूर्यकांत महेश्वर बघेल सिद्धार्थ निधि निराकार डोंगरे भोले माझी उमेशडोंगरे दीपक प्रधान चतुर्भुज सोनवानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे 11 से 12 काबिल बच्चों की हत्यारी सरकार है -: बेसरा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते कहा की यह सरकार काबिल बच्चों की हत्यारी है क्योंकि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने और री-एग्जाम की

# नगर पालिका की पीआईसी बैठक में विकास को मिली नई गति, पिकरी मुक्तिधाम के उन्नयन के लिए 50 लाख स्वीकृत

**बेमेतरा।** नगर पालिका परिषद की प्रेसीडेंट-इन-कार्उसिल (पीआईसी) की महत्वपूर्ण बैठक नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में नगर के समग्र विकास, अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण एवं जनसुविधाओं से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए कई अहम निर्णय लिए गए।बैठक में जानकारी दी गई कि पिकरी मुक्तिधाम के उन्नयन के लिए राज्य सरकार से 50 लाख रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस राशि से मुक्तिधाम में आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विस्तार एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा, जिससे आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।नगर में बढ़ते ई-रिक्शा संचालन को देखते हुए चार स्थानों पर ई-रिक्शा चार्जिंग (रिचार्ज) प्वाइंट स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इससे ई-रिक्शा



चालकों को सुविधा मिलने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।बैठक में सिगौरी स्थित नव निर्मित ऑडिटोरियम का नामकरण भारत रत्न पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर करने का निर्णय लिया गया। साथ ही उनकी प्रतिमा का अनावरण भी किया जाएगा। नगर विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डिफॉल्टर ठेकेदारों के कार्य निरस्त करने का निर्णय लिया गया, ताकि विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और जनता को समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इसके अलावा बस स्टैंड गार्डन के कायाकल्प एवं सौंदर्यीकरण का भी निर्णय लिया गया, जिससे नगर को एक आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित किया जा सके।

नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि परिषद का उद्देश्य नगरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना और विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि परिषद जनहित के प्रत्येक मुद्दे पर गंभीरता से कार्य कर रही है तथा आने वाले समय में नगर में कई और विकास कार्य धरातल पर दिखाई देंगे इस अवसर पर उपाध्यक्ष अशोक शर्मा सभापति पंचू साहू सभापति गौरव साहू सभापति नीतू कोठारी सभापति विकास तम्बोली सभापति आकिब मालकानी नगर पालिका सी एम ओ नरेश वर्मा भोला पटेल बिसरु राम साहू सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

# राजस्व मंत्री ने देवरी में 44 लाख के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन व लोकार्पण

**बलौदाबाजार।** राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा शुक्रवार को जिला प्रवास के दौरान विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम पंचायत देवरी पहुंचे। उन्होंने यहां 44 लाख रुपये की लागत से तीन विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इसमें ग्राम देवरी में 20 लाख की लागत से निर्मित चेक डेम और 16 लाख की लागत से बने महतारी सदन भवन का लोकार्पण शामिल है। इसके साथ ही 8 लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा की राज्य सरकार गांवों के समग्र विकास



के लिए प्रतिबद्ध है। चेक डेम से क्षेत्र में जल स्तर बढ़ेगा और किसानों को सिंचाई की सुविधा मिलेगी। महतारी सदन महिलाओं के स्वावलंबन और सामुदायिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। हमारी सरकार समग्र विकास के लिये प्रतिबद्ध है। गांव - गांव में लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचने से हर तरफ खुशहाली और समृद्धि दिखाई डे रही है।इस अवसर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, उपाध्यक्ष सुमन योगेश वर्मा, सभापति चंद्रशेखर घघ्रव सरपंच सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

# बेमेतरा में अवैध उर्वरक भंडारण पर बड़ी कार्रवाई, 275 बोरी यूरिया जब्त

**बेमेतरा।** खरीफ सीजन 2026 के दौरान किसानों को निर्धारित मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरकों की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार तथा कृषि विभाग के उप संचालक श्री मोरध्वज डडसेना के मार्गदर्शन में गठित जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल द्वारा जिलेभर में उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अवैध भंडारण के विरुद्ध लगातार औचक निरीक्षण एवं छापामार कार्रवाई की जा रही है।इसी क्रम में प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर उड़नदस्ता दल ने ग्राम



जानो, तहसील देवकर में अंजोर वर्मा के परिसर में औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए 275 बोरी यूरिया अवैध रूप से भंडारित पाया गया। मौके पर समस्त उर्वरक को विधिवत जब्त कर लिया गया है तथा संबंधित व्यक्ति को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है। प्राप्त जवाब के परीक्षण के उपरांत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कृषि विभाग द्वारा जब्त उर्वरकों के नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए अधिकृत प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसानों को केवल मानक गुणवत्ता वाले उर्वरक ही उपलब्ध हों।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खरीफ सीजन के दौरान उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी, अवैध भंडारण एवं निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर विक्रय करने वालों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। यदि कोई निजी कृषि केंद्र, विक्रेता अथवा सहकारी संस्था इस प्रकार की अनियमितता करते हुए पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई करते हुए पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी तथा प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने कहा है कि किसानों के हितों की रक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी परिस्थिति में उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा कृत्रिम अभाव उत्पन्न करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रशासन द्वारा पूरे जिले में सतत निगरानी रखी जा रही है तथा शिकायत प्राप्त होते ही बिना पूर्व सूचना के तत्काल जांच एवं छापामार कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने किसानों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण, निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री अथवा अन्य किसी प्रकार की अनियमितता की जानकारी मिले तो इसकी सूचना कृषि विभाग अथवा जिला प्रशासन को दें। शिकायतकर्ता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी तथा प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

## सहसपुर लोहारा के गोबर गैस प्लांटों का किया औचक निरीक्षण, ग्रामीणों से चर्चा कर गांव को स्वच्छ बनाने की गई अपील

# ठोस अपशिष्ट नियम 2026 की जमीनी हक़ीक़त देखने पहुंचे जिला पंचायत सीईओ

**कवर्धा।** उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा लक्षित स्वच्छ कबीरधाम के अभियान को समय पर पूरा करने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक अग्रवाल ने जनपद पंचायत स.लोहारा के विभिन्न ग्रामों का सघन दौरा किया। इस दौरान ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत परखी और ग्राम पंचायतों में स्थापित गोबर गैस प्लांटों का निरीक्षण कर 'वेस्ट टू एनर्जी' मॉडल की विस्तार से समीक्षा की। अपने निरीक्षण के दौरान उपस्थित मैदानी कर्मचारियों को सीईओ ने कहा कि गोबर गैस प्लांट प्राकृतिक ऊर्जा के क्षेत्र में गेमचेंजर होगा, जिससे गांव को सस्ते ऊर्जा की



उपलब्धता होगी। ग्राम पंचायत बिरेंद्रनगर, कुटकीपारा में चल रहे कचरा कलेक्शन, प्लास्टिक यूनिट केंद्र फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट एवं सामुदायिक गोबर गैस प्लांटों का निरीक्षण किया। गीले तथा सूखे कचरा कलेक्शन का कार्य ग्रामों में अच्छे से होना पाया गया।ग्रामीणों ने बताया कि घर-घर जाकर स्वच्छता दीदियों द्वारा कचरा कलेक्शन किया जा रहा है। इसी तरह गोबर गैस प्लांट को सुचारू रूप से चलाने हेतु प्लांट में लगातार गोबर की व्यवस्था करनें की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत, स्कूल प्रबंधन एवं हितग्राही को दिया गया, जिससे गैस उत्पादन सफलतापूर्वक किया जा सकता है। वैकल्पिक ऊर्जा का उपयोग कर गोबर गैस से मिड-डे-मील और आंगनबाड़ी एवं स्कूलों में खाना बनाने की बात कही गई तथा इसके लिए जरूरी पाइप लाइन का विस्तार करने के निर्देश ग्राम पंचायत को दिए गए। प्लांट में बची स्लरी का उपयोग जैविक खाद के रूप में करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पाया कि जनपद लोहारा के ग्राम पंचायतों में स्वच्छता जागरूकता हेतु नारा लेखन और वॉल पेंटिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है। दीवारों पर ÷मेरा कचरा-मेरी जिम्मेदारी÷ और चार डिब्बों के चित्र ग्रामीणों को निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने इस कार्य के लिए ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, विभागीय अमला की सराहना की। निरीक्षण के दौरान सीईओ श्री अभिषेक अग्रवाल ने चार डिब्बा व्यवस्था को भी देखा।स्वच्छता दीदियों द्वारा किए जा रहे कार्य पर संतोष जताते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि 15 जुलाई 2026 से शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने तथा खुले में कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध ग्राम पंचायत को समुचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रत्येक घरों से यूजर चार्ज देने हेतु ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित मैदानी कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि 10 जुलाई तक सभी 60 पंचायतों में स्वच्छता दीदियों द्वारा घर-घर कचरा पृथकरण का सत्यापन का कार्य पूरा करें और15 जुलाई से कचरा बाहर फेंकने एवं जलाने वालों के लिए ग्राम पंचायत (ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति) के माध्यम से जुर्माना वसूली की कार्यवाही हो। निरीक्षण के दौरान उपस्थित ग्राम पंचायत सचिवों, सरपंचों, ग्रामवासियों और स्वच्छता दीदियों से अपील की गई की स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाएं और अपने ग्रामों को स्वच्छ रखें।

राजस्व मंत्री ने देवरी में 44 लाख के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन व लोकार्पण

**बलौदाबाजार।** राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा शुक्रवार को जिला प्रवास के दौरान विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम पंचायत देवरी पहुंचे। उन्होंने यहां 44 लाख रुपये की लागत से तीन विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इसमें ग्राम देवरी में 20 लाख की लागत से निर्मित चेक डेम और 16 लाख की लागत से बने महतारी सदन भवन का लोकार्पण शामिल है। इसके साथ ही 8 लाख रुपये की लागत से शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा की राज्य सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। चेक डेम से क्षेत्र में जल स्तर बढ़ेगा और किसानों को सिंचाई की सुविधा मिलेगी। महतारी सदन महिलाओं के स्वावलंबन और सामुदायिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। हमारी सरकार समग्र विकास के लिये प्रतिबद्ध है। गांव -गांव में लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचने से हर तरफ खुशहाली और समृद्धि दिखाई डे रही है। इस अवसर श्रद्धजिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, उपाध्यक्ष सुमन योगेश वर्मा, सभापति चंद्रशेखर घघ्रव सरपंच सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### रात के अंधेरे में तोड़फोड़ करने वाले माफकरने लायक नहीं: बृजमोहन अग्रवाल

**रायपुर।** नकटी गांव में बेदखली की कार्रवाई को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इस बीच सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि रात के अंधेरे में पहुंचकर तोड़फोड़ करना पूरी तरह गलत है और ऐसा करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।सांसद बृजमोहन ने कहा कि मुझसे बातचीत के बाद भी जो लोगों के घरों में तोड़फोड़ की गई वह किसी भी हालत में माफ करने लायक नहीं है। रात के अंधेरे में इस तरह की कार्रवाई करना गलत है। जिन अधिकारियों ने यह दुस्साहस किया है, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि नकटी गांव के लोगों का मामला बेहद संवेदनशील है और वह अपने पहले के स्टैंड पर कायम हैं। मैं पहले भी कह चुका हूं कि गांव के लोगों को नहीं हटाया जाना चाहिए। उनकी समस्याओं का मानवीय दृष्टिकोण से समाधान निकाला जाना चाहिए।सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने यह भी कहा कि जिस विषय को जहां रखना होता है मैं वहां अपनी बात रखता हूं। नकटी गांव में बेदखली की कार्रवाई को लेकर पहले से ही स्थानीय लोगों में नाराजगी है। वहीं अब इस मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है।

### उच्च जोखिम वाली 1786 गर्भवती महिलाओं का हुआ नि:शुल्क सोनोग्राफी

**रायपुर।** प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान अंतर्गत जिले में गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व देखभाल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक माह की 9 एवं 24 तारीख को विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है। शिविर में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का नि:शुल्क जांच, उपचार एवं परामर्श प्रदान करना है। अभियान अंतर्गत पहला प्रसव ऑपरेशन से हुआ हो, पहले गर्भपात या मृत शिशु का जन्म हुआ हो, जिनका वजन या ऊंचाई कम हो, कम उम्र में गर्भधारण किया हो, गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह या अन्य बीमारी से ग्रसित महिलाओं की जांच की जाती है। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की सूची बनाकर प्रत्येक सप्ताह फोन कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं सलाह दी जा रही है। प्रसव के 15 दिन पूर्व गर्भवती माताओं के घर प्रतिदिवस मितानिनों द्वारा भ्रमण किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि वर्तमान में 1958 उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं में 1786 का प्रथम सोनोग्राफी तथा 1380 महिलाओं का द्वितीय बार सोनोग्राफी किया जा चुका है। इस सप्ताह कुल 104 उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का सोनोग्राफी किया गया।

### रायपुर में मारपीट, अवैध शराब और चाकूबाजी के मामलों में पुलिस की कार्रवाई, कई आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** राजधानी रायपुर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मारपीट, गाली-गलौज, अवैध शराब बिक्री और अवैध हथियार रखने के मामलों में पुलिस ने कई प्रकरण दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, मोवा, सरस्वती नगर, खम्हारडीह, पुरानी बस्ती और टिकरापारा थाना क्षेत्रों में आपसी विवाद, जमीन बंटवारे, लेन-देन और घरेलू विवाद को लेकर मारपीट की घटनाएं सामने आई हैं। आरोपियों ने पीड़ितों के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों व पत्थर से हमला कर घायल कर दिया। सभी मामलों में संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद के दौरान पति द्वारा पत्नी के साथ मारपीट का मामला भी दर्ज किया गया है। वहीं गुढ़ियारी थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

### चेतना विरुद्ध नशा' अभियान के तहत सीपत पुलिस की कार्रवाई, 8 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ युवक गिरफ्तार

**रायपुर।** बिलासपुर जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफचलाए जा रहे 'चेतना विरुद्ध नशा' अभियान के तहत सीपत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को 8 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी को आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन में 2 जुलाई 2026 को सीपत पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम भिल्मी में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान आरोपी शेखर वर्मा (22 वर्ष), निवासी ग्राम भिल्मी, थाना सीपत, जिला बिलासपुर के कब्जे से 8 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1,600 रुपये बताई गई है।

---

**सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्ष पूर्ण होने पर राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन आयोजित**

# सहकारिता से बढ़ेगी किसानों की आय विकसित छग की नींव होगी मजबूत....

- पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, वनोपज, मत्स्य पालन और ग्रामीण उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी सहकारिता को मिल रहा है बढ़ावा
- किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और आत्मनिर्भरता का सबसे प्रभावी माध्यम बन रही है सहकारिता

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय का गठन देश के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय है। यह निर्णय 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को साकार करने वाला है। डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ में सहकारिता के माध्यम से किसानों, वनवासियों, महिला समूहों और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मंडपम में भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन एवं सहकारी सप्ताह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर उत्कृष्ट समितियों को सहकार प्रेरणा पुरस्कार प्रदान किया तथा संग्रहण वर्ष 2023 के 7.14 लाख तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए 162 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन पारिश्रमिक राशि के वितरण का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मैं किसान का बेटा हूं और बचपन से ही सहकारिता से मेरा गहरा रिश्ता रहा है। तभी से मुझे विश्वास था कि सहकारिता के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'सहकार से समृद्धि' का वही सपना धरातल पर साकार होता दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रथम कार्यकाल में उन्हें राज्यमंत्री के रूप में साथ काम करने का अवसर मिला और उन्होंने किसानों के प्रति प्रधानमंत्री की संवेदनशीलता तथा समर्पण को बहुत करीब से देखा है। किसानों के कल्याण के प्रति इसी प्रतिबद्धता के कारण प्रधानमंत्री ने कृषि मंत्रालय का दायरा बढ़ाते हुए उसका नाम 'कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय' किया, ताकि किसानों का समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता बने। सहकारिता किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और आत्मनिर्भरता का सबसे प्रभावी माध्यम बन रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा मिली है और इसका लाभ सीधे किसानों एवं ग्रामीण परिवारों तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार केवल कृषि ही नहीं बल्कि पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, वनोपज, मत्स्य पालन और ग्रामीण उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी सहकारिता को मजबूत कर रही है।

# हत्या को आत्महत्या दिखाने की साजिश नाकाम हुआ...

- पुलिस ने 48 घंटे में सुलझाया ब्लाइंड मर्डर, मां और भाई गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में पुलिस ने हत्या को आत्महत्या साबित करने की साजिश का पर्दाफाश करते हुए महज 48 घंटे के भीतर ब्लाइंड मर्डर का खुलासा कर दिया। चौकी बिरेंझर पुलिस ने युवक की हत्या के आरोप में उसकी मां और भाई को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, 29 जून 2026 को कुरूद थाना क्षेत्र के ग्राम गोजी में 23 वर्षीय नरसिंग साहू का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला था। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा था, लेकिन पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार के निर्देश पर घटनास्थल का वैज्ञानिक तरीके से निरीक्षण, साक्ष्यों का संकलन, गवाहों से पूछताछ और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का गहन विश्लेषण किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि युवक की मौत गला दबाने और रस्सी से कसकर श्वास अवरुद्ध करने के कारण हुई थी तथा उसकी मृत्यु हत्यात्मक थी। इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी। जांच के दौरान तकनीकी एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर मृतक के भाई नरेश साहू (22 वर्ष) और मां कमला बाई साहू (60 वर्ष) से पूछताछ की गई। पुलिस के अनुसार, दोनों ने पूछताछ में अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि मृतक शराब पीने के लिए पैसे मांग रहा था। पैसे नहीं मिलने पर विवाद बढ़ गया और गुस्से में दोनों ने पहले उसका गला दबाया, फिर नारियल की रस्सी से गला कसकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, हत्या के बाद भी मृतक के जीवित होने की आशंका में उसे कीटनाशक दवा भी पिला दी गई।

# शासकीय कार्यालयों में अब रीचार्ज' से चलेगी बिजली....

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश के शासकीय विभागों और कार्यालयों में विद्युत खपत और बिलों के भुगतान को लेकर राज्य शासन ने एक बड़ा और युगांतरकारी निर्णय लिया है। केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के दिशा-निर्देशों के तहत अब छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर के माध्यम से प्री-पेड बिलिंग अनिवार्य रूप से लागू की जा रही है। ऊर्जा विभाग द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार आगामी 01 अगस्त से प्रथम चरण के तहत विकासखण्ड (ब्लॉक) एवं उच्च स्तर तक के सभी शासकीय कार्यालयों में बिजली की प्री-पेड व्यवस्था शुरू हो जाएगी। इसके बाद द्वितीय चरण में इससे निचले स्तर के कार्यालयों को जोड़ा जाएगा। महानदी भवन (मंत्रालय) से जारी मार्गदर्शिका के अनुसार इस पूरी व्यवस्था को बेहद आधुनिक, पारदर्शी और व्यावहारिक बनाया गया है, जिसके तहत 30 जून 2026 की स्थिति में विभागों के कुल लंबित बकाये को फ्रीज कर दिया जाएगा और इस राशि को आगामी 4 तिमाहियों में समान किश्तों में जमा करने की छूट दी जाएगी। इस नई रीचार्ज प्रणाली को सुचारू रखने के लिए बिजली विभाग रीचार्ज खत्म होने के 7 दिन पहले से ही संबंधित विभाग के पंजीकृत नोडल अधिकारी के मोबाइल पर एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से अलर्ट भेजना शुरू कर देगा। इसके साथ ही विभाग अपनी दैनिक खपत, बची हुई शेष राशि (बैलेंस) और रीचार्ज खत्म होने की संभावित अवधि की जानकारी मोर बिजली ऐप और विभागीय वेबसाइट पर लाइव देख सकेंगे। व्यवस्था की एक बड़ी खूबी यह है कि पूरे विभाग या जिले के कनेक्शनों को एक समूह (ग्रुप आईडी) के रूप में ट्रीट किया जाएगा।

**राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में जैन मुनि राष्ट्र संत डॉ. मणिभद्र महाराज के नेतृत्व में संचालित सर्वोदय शांति पदयात्रा से जुड़े संतों ने सौजन्य भेंट की।**

**वीबी जी राम जी में 300 रु. दैनिक मजदूरी तय कर**

# केंद्र सरकार ने ग्रामीण श्रमिकों के साथ अन्याय किया: विनोद

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व संसदीय सचिव एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 1 जुलाई 2026 से लागू वीबीङ्कजीरामजी कानून के तहत ग्रामीण श्रमिकों के लिए अधिसूचित दैनिक मजदूरी दर वर्तमान महंगाई और जीवन-यापन की लागत के अनुरूप नहीं है। अधिकांश राज्यों में मजदूरी 300 रु. प्रतिदिन निर्धारित करना लाखों ग्रामीण श्रमिकों की वास्तविक जरूरतों की अनदेखी है। आज की परिस्थितियों में यह राशि एक परिवार के सम्मानजनक जीवन-यापन के लिए पर्याप्त नहीं कही जा सकती। श्री चंद्राकर ने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में श्री राहुल गांधी ने 'श्रमिक न्याय' के तहत मनरेगा सहित सभी श्रमिकों के लिए रु. 400 प्रतिदिन राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी की गारंटी देने की घोषणा की थी। इसके विपरीत केंद्र सरकार ने 300 रु. प्रतिदिन की मजदूरी तय कर यह स्पष्ट कर दिया है कि श्रमिकों की आय बढ़ाना उसकी प्राथमिकताओं में नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा गठित डॉ. अनूप सतपथी समिति ने वर्ष 2019 में ही 375 रु. प्रतिदिन राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी की सिफारिश की थी। इसके बाद महंगाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ऐसी स्थिति में विशेषज्ञों की सिफारिशों और वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए मजदूरी दर में कहीं अधिक वृद्धि अपेक्षित थी।

## धान के बाद गेहूं की खेती से बढ़ी आमदनी, जशपुर के किसान कीना राम बने मिसाल

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर जशपुर जिले के किसान अब खरीफ के साथ-साथ रबी फसलों की खेती कर अपनी आय बढ़ा रहे हैं। मनोरा विकासखंड के ग्राम सोगड़ा निवासी कीना राम ने धान के बाद गेहूं की खेती अपनाकर कम लागत में बेहतर उत्पादन और अतिरिक्त आमदनी हासिल की है। कीना राम ने बताया कि कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के मार्गदर्शन में उन्होंने रबी सीजन में गेहूं की खेती शुरू की। एनएफएसएनएम (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन) योजना के तहत उन्हें एक एकड़ भूमि के लिए उन्नत किस्म का गेहूं बीज अनुदान पर उपलब्ध कराया गया। उन्होंने खेत की अच्छी तैयारी कर पर्याप्त मात्रा में गोबर की खाद का उपयोग किया तथा समय-समय पर सिंचाई और खरपतवार प्रबंधन किया। इसका परिणाम यह रहा कि फसल में कीट एवं रोग का प्रकोप नहीं हुआ और गेहूं का अच्छा उत्पादन प्राप्त हुआ। कीना राम ने बताया कि वह सीमांत किसान हैं और उनके पास केवल 0.800 हेक्टेयर कृषि भूमि है।

# मखाना खेती किसानों की नई आय का आधार

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण, आदिम जाति विकास, जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन तथा पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम ने अपने धमतरी प्रवास के दौरान बुधवार को विकासखंड कुरूद के ग्राम छाती में संचालित मखाना खेती का निरीक्षण किया। जिला प्रशासन तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के समन्वित प्रयासों से विकसित इस नवाचार का अवलोकन करते हुए उन्होंने मखाना उत्पादन की पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली तथा इसे किसानों, विशेषकर महिला स्व-सहायता समूहों की आर्थिक सशक्तता का प्रभावी माध्यम बताया। निरीक्षण के दौरान मंत्री नेताम खेत में पहुंचे और मखाना के बीज रोपण, पौधों की वृद्धि, फसल प्रबंधन, फल परिपक्व होने तथा जलाशय से फल निकालकर पारंपरिक विधि से प्रसंस्करण कर तैयार मखाना बनाने की संपूर्ण प्रक्रिया को बारीकी से देखा। अधिकारियों ने बताया कि मखाना की फसल सामान्यत: 6 से 8 माह में तैयार होती है, जिसके बाद प्रसंस्करण के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाला मखाना प्राप्त किया जाता है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि ग्राम छाती में महिला शैलपुत्री एवं नई किरण महिला स्व-सहायता समूह द्वारा लगभग 29 एकड़ क्षेत्र में मखाना की सफल खेती की जा रही है। यह पहल स्थानीय महिलाओं को रोजगार एवं नियमित आय उपलब्ध कराने के साथ-साथ क्षेत्र में वैकल्पिक कृषि को भी नई दिशा दे रही है।

**राजस्व मंत्री ने ग्राम झोंका को दी विकास कार्यों की सौगात**

# सरकार गांव,गरीब और किसानों की तरक्की के लिए प्रतिबद्ध-वर्मा

रायपुर/ संवाददाता

राज्य सरकार ग्रामीण अंचलों के चहुंमुखी विकास और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। इसी कड़ी में आज बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम पंचायत झोंका में विकास कार्यों की बड़ी सौगात मिली। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने यहाँ विभिन्न जनकल्याणकारी और विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर क्षेत्र के विकास को और गति देने के लिए 27 लाख रुपये से अधिक की नई विकास योजनाओं की घोषणा भी की। ग्राम झोंका में आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने महामाया मंदिर सामुदायिक भवन, केश डबरी प्रवेश द्वार, पचरी निर्माण, महतारी सदन, मुक्तिधाम शेड, तालाब गहरीकरण तथा रंगमंच भवन सहित विभिन्न अधोसंरचना कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने कुर्मी पारा में नवनिर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर उसे आम जनता को समर्पित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार गांव, गरीब और किसानों की तरक्की के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना हमारी प्राथमिकता है ताकि ग्रामीणों का जीवन स्तर और बेहतर हो सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में राशि की कोई कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी।ग्रामीणों की पुरजोर मांग और क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए राजस्व मंत्री ने कार्यक्रम के मंच से कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं,जिसमे प्राथमिक शाला में सुलभ शौचालय निर्माण हेतु 2 लाख रुपये, छापड़ तालाब के

गहरीकरण के लिए 10 लाख रुपये, मुक्तिधाम में शेड निर्माण के लिए 7 लाख रुपये, तालाबों में पचरी निर्माण के लिए 3 लाख रुपये और सामुदायिक भवन एवं ज्योति कक्ष निर्माण हेतु 5 लाख रुपये देने का ऐलान किया। इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए उन्होंने जागृति महिला मंडल को 10-10 हजार रुपये की सहायता राशि देने की भी सहर्ष घोषणा की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष, बलौदाबाजार जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा ग्राम पंचायत झोंका के सरपंच हरीराम ध्रुव सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

### सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध

राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने आज बलौदाबाजार- भाटापारा जिला के बलौदाबाजार विकासखंड के ग्राम पंचायत देवरी के ग्रामीणों को बड़ी सौगात देते हुए 44 लाख रुपये की लागत वाले तीन महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ आज गांव-गांव और घर-घर तक पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीण अंचलों में खुशहाली और समृद्धि का एक नया दौर दिखाई दे रहा है।

# संपादकीय

## नई ईवी नीति- इलेक्ट्रिक वाहनों से घटेगा प्रदूषण या बढ़ेंगी आम लोगों की मुश्किलें?

दिल्ली की सड़कों पर सार्वजनिक परिवहन की बदहाली छिपी नहीं है। इसे बेहतर बनाने के लिए किसी भी सरकार ने ऐसे कदम नहीं उठाए हैं, ताकि लोग निजी वाहनों के बारे में न सोचें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीति के जरिए अगर दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या पर काबू पाने में मदद मिलती है, तो इसे एक बेहतर उपाय माना जाएगा। इसमें कोई दोराय नहीं कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की गहराती समस्या के मद्देनजर इसकी मुख्य वजहों की पहचान और उनसे निपटने के लिए ठोस उपाय करना जरूरी है। मगर इस क्रम में सरकार जिन नीतियों का सहारा लेना चाहती है, वे व्यापक जनहित में हों, यह सुनिश्चित किया जाना भी वक्त का तकाजा है।देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली में वायु प्रदूषण एक अहम समस्या के रूप में चिंता का मुद्दा बना रहता है। इसके लिए सड़क पर चलने वाले वाहनों को मुख्य रूप से जिम्मेदार माना जाता है। खासतौर पर दुपहिया वाहनों की बढ़ती संख्या न केवल सुव्यवस्थित यातायात, बल्कि प्रदूषण के लिहाज से अपेक्षया ज्यादा बहस के केंद्र में रहती है।इन्हीं बिंदुओं के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने सोमवार को नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2.0 को मंजूरी दे दी है। नई नीति के तहत अगले वर्ष जनवरी से सिर्फ ई-ऑटो यानी इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों का ही पंजीकरण होगा। साथ ही, जनवरी 2028 से सिर्फ ई-दुपहिया वाहनों का ही पंजीकरण कराया जा सकेगा। नई नीति के तहत अब इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर सड़क-कर और पंजीकरण शुल्क में छूट की व्यवस्था भी की गई है।जाहिर है, सरकार ने एक तरह से नीतिगत तौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के क्रम में एक ठोस फैसला किया है, लेकिन चूंकि इसका वैसे लोगों के जीवन पर व्यापक असर पड़ने की संभावना है, जिनकी रोजी-रोटी इन वाहनों से जुड़ी होती है, इसलिए फिलहाल इसके कई अन्य पहलुओं पर बहस जारी है।हालांकि यह भी एक तथ्य है कि दिल्ली में पिछले कई वर्षों से लगातार प्रदूषण की वजह से हालात बेहद चिंताजनक होते गए हैं, तो इसमें वाहनों की खासी भूमिका रही है। मगर इसमें कारों और अन्य वाहनों के बरक्स दुपहिया और तिपहिया वाहनों की कितनी भूमिका है, इस पर भी गौर किया जाना चाहिए। खासतौर पर इसलिए भी कि दिल्ली में तिपहिया वाहन आमतौर पर सीएनजी से चलते हैं। एक समय पेट्रोल और डीजल वाहनों के धुएं से होने वाला प्रदूषण व्यापक चिंता का विषय बना था और उस समय सीएनजी वाहनों के जरिए दिल्ली की हवा को स्वच्छ करने के दावे किए गए थे। लेकिन आज भी दिल्ली में वायु प्रदूषण की हकीकत किसी से छिपी नहीं है। वहीं, इलेक्ट्रिक कचरा आज विश्वभर में पर्यावरण के सामने एक नई चुनौती बन रहा है।यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि इस नीति के केंद्र में फिलहाल जिन दुपहिया और तिपहिया वाहनों को रखा गया है, वे बड़ी संख्या में साधारण लोगों की आजीविका और आवागमन का मुख्य सहारा रहे हैं। नई नीति की अनिवार्यता की स्थिति में अपने वाहन को इलेक्ट्रिक प्रणाली में बदलना कम आयवर्ग के लोगों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन सकता है।दूसरी ओर, दिल्ली की सड़कों पर सार्वजनिक परिवहन की बदहाली छिपी नहीं है।

***देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान अपने पानी, अपनी संप्रभुता और अपने भविष्य की रक्षा करेगा। पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसद्दिक मलिक ने तो यहां तक कह दिया कि जो हाथ उनके पानी को छुएंगे, उन्हें काट दिया जाएगा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने भी भारत पर पानी रोकने का आरोप लगाते हुए आक्रामक बयान दिए।***

# पानी पाकिस्तान का बंद हुआ है, मगर गला यहां के 'शांति दूतों' का क्यों सूख रहा है?

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस दृढ़ता के साथ पाकिस्तान को उसकी असली जगह दिखानी शुरू की है, उससे इस्लामाबाद की सत्ता, सेना और वहां के कथित लोकतांत्रिक चेहरे बुरी तरह बौखला गए हैं। सिंधु जल संधि को स्थगित करने के भारत के फैसले ने पाकिस्तान की नसों में ऐसा डर भर दिया है कि वहां के नेता लगातार धमकियां दे रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रो रहे हैं और दुनिया को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत ने उनके अस्तित्व पर हमला कर दिया है।

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान अपने पानी, अपनी संप्रभुता और अपने भविष्य की रक्षा करेगा। पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसद्दिक मलिक ने तो यहां तक कह दिया कि जो हाथ उनके पानी को छुएंगे, उन्हें काट दिया जाएगा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने भी भारत पर पानी रोकने का आरोप लगाते हुए आक्रामक बयान दिए। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने दुनिया को डराने की कोशिश की कि यदि सिंधु जल संधि नहीं बची तो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की पूरी विश्व व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी।

लेकिन पाकिस्तान के इन आंसुओं के पीछे छिपा सच पूरी दुनिया जानती है। पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी कहां से आए थे? जम्मू-कश्मीर में दशकों से आतंकवाद को कौन पालता रहा है? भारत के सैनिकों और नागरिकों का खून बहाने के लिए हथियार, प्रशिक्षण और धन कौन देता रहा है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिल्कुल सही कहा था कि खून और पानी साथ साथ नहीं बह सकते। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यह स्पष्ट कर दिया कि अब नई दिल्ली पुरानी नीति पर नहीं चलेगी। यदि पाकिस्तान आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बनाए रखेगा तो उसे हर मोर्चे पर कीमत चुकानी होगी। भारत ने पश्चिमी नदियों पर अपने अधिकार वाले जल के उपयोग को तेज करने का फैसला किया है। यह कोई युद्ध नहीं, बल्कि अपने अधिकारों का प्रयोग है।

साथ ही सबसे बड़ा सवाल उन लोगों से पूछा जाना चाहिए जो भारत में बैठकर पाकिस्तान से वार्ता की मांग कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि एक सौ से अधिक तथाकथित बुद्धिजीवियों, नेताओं और सामाजिक हस्तियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाहबाज शरीफ को पत्र लिखकर बातचीत बहाल करने, वीजा सेवाएं शुरू करने, दूतावास सामान्य करने और यहां तक कि कश्मीर पर फिर से बातचीत करने की मांग की है। इस पत्र पर फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, मीरवाइज उमर फारूक और कुछ अन्य भारतीय हस्तियों के हस्ताक्षर भी हैं।

इन लोगों से देश पूछना चाहता है कि आखिर पाकिस्तान से इतनी मोहब्बत क्यों है? जो देश भारत में आतंकवादी भेजता है, हमारे नागरिकों की हत्या करवाता है, सीमा पार से गोलियां चलाता है, उसी देश के लिए इनके दिल में इतनी बेचैनी क्यों उमड़ती है? भारत ने जब पाकिस्तान का पानी रोकने की दिशा में कदम उठाया तो प्यास पाकिस्तान को लगी, लेकिन गला यहां बैठे तथाकथित शांति दूतों का सूखने लगा। आखिर क्यों? क्या इन लोगों को भारत की सुरक्षा से ज्यादा चिंता पाकिस्तान की खेती और उसकी बिजली व्यवस्था की है?

ये लोग कहते हैं कि वार्ता ही समाधान है। लेकिन देश जानना चाहता है कि आखिर कितनी वार्ताएं हो चुकी हैं? लाहौर बस यात्रा से लेकर आगरा शिखर वार्ता तक और उफा से लेकर शरम अल शेख तक भारत ने हर बार शांति का हाथ बढ़ाया। बदले में मिला क्या? कारगिल, संसद हमला, मुंबई हमला, उरी, पुलवामा और अब पहलगाम। पाकिस्तान हर बार वार्ता की मेज पर मुस्कुराता है और पीठ पीछे आतंकियों को भेजता है।

आज जब भारत पहली बार कठोर नीति पर डटा है तो देश के भीतर बैठे कुछ लोग बेचैन हो उठे हैं। उन्हें आतंकवाद पर गुस्सा नहीं आता, लेकिन पाकिस्तान का पानी रुकने पर दर्द होने लगता है। उन्हें भारत के शहीदों की चिंता कम और इस्लामाबाद की परेशानी ज्यादा दिखाई देती है। यह वही मानसिकता है जिसने दशकों तक भारत को कमजोर नीति में बांध कर रखा।

सच यह है कि सिंधु जल संधि का सबसे ज्यादा लाभ पाकिस्तान ने उठाया। भारत ने वर्षों तक उदारता दिखाई, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद फैलाता रहा। अब जब नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंक और व्यापार, आतंक और वार्ता, आतंक और पानी साथ साथ नहीं चल सकते, तब पाकिस्तान दुनिया भर में सहानुभूति जुटाने निकला है। लेकिन दुनिया भी समझ रही है कि समस्या की जड़ कहां है।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि धमकियों से भारत डरने वाला नहीं है। पानी को लेकर युद्ध चाहता है तो उसे पहले आतंकवाद की फैक्टरी बंद करनी होगी। जब तक उसकी धरती से भारत विरोधी आतंक जारी रहेगा, तब तक कोई भी वार्ता केवल छलावा मानी जाएगी।

बहरहाल, भारत की जनता अब भ्रम में नहीं है। देश समझ चुका है कि शांति की सबसे पहली शर्त सुरक्षा है। और जो लोग पाकिस्तान के लिए आंसू बहा रहे हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि भारत की सहनशीलता को कमजोरी समझने की भूल अब कोई नहीं कर सकता। नया भारत अपने सैनिकों के खून का हिसाब भी लेगा और अपने पानी का अधिकार भी बचाएगा।

# 'इच्छाधारी' आस्था का चुनावी गणित

(प्रणय विक्रम सिंह)

अयोध्या के संदर्भ में विपक्ष की नई-नई जागी श्रद्धा को देखकर मुझे ऐसा लग रहा है कि रामचरितमानस में तुलसीदास जी से एक बहुत बड़ी चूक हो गई है।

वे मारीच, सुबाहु और कालनेमि जैसे दिव्य भेष बदलने वाले मायावियों को त्रेतायुग में ही निपटा गए। उन्हें जरा रुकना चाहिए था। वे आज के युग में आते, तो देखते कि भेष बदलने की यह कला अब केवल राक्षसों की बपौती नहीं रही, इसका लोकतांत्रिक विकास हो चुका है और अब इसके सबसे कुशल अभ्यासकर्ता हमारे राजनेता हैं।

सुना है, कल तक जो लोग भगवान राम को केवल एक अदालती एफेडेविट का 'काल्पनिक पात्र' मानते थे, आज वे चुनाव की आहट सुनते ही हाथ में आस्था का नया-नवेला थर्मामीटर लेकर घूम रहे हैं। वे ट्विटर पर अयोध्या को 'अनुपम और अनुकरणीय धार्मिक नगरी' बनाने की वैसी ही पवित्र कसमें खा रहे हैं, जैसी कसमें एक जेबकतरा अपनी ईमानदारी सिद्ध करने के लिए कोट कचहरी में खाता है।

इस दिव्य और त्वरित हृदय परिवर्तन को देखकर मुझे गिरगिटों की मानसिक स्थिति पर तरस आता है। बेचारे डिप्रेशन में होंगे कि जिस हुनर के लिए वे सदियों से बदनाम थे, उसमें कुछ सैफई ब्रांड समाजवादी इंसानों ने पीएचडी कर ली और उन्हें कहीं का नहीं छोड़ा।

आखिर कोई उस राम-नाम का जाप इतनी पवित्रता से कैसे कर सकता है, जिसके राजनीतिक कुनबे का पूरा इतिहास ही राम-विरोध की खाद पर फला-फूला हो?

आजकल वे फीता लेकर निकले हैं। पूछ रहे हैं कि अयोध्या से गोरखपुर कितनी दूर है? नेताजी, दूरी नापने का यह शौक नया है। पर आप गलत नक्शा देख रहे हैं। अयोध्या से गोरखपुर की दूरी तो उतनी ही है, जितनी सत्य और सनातन के बीच होती है। यानी दोनों आपस में जुड़े हैं। पर आपके 'पारिवारिक सिंडिकेट' और रामराज्य के बीच की दूरी अनंत है, जिसे नापने के लिए आपके पास न तो नैतिक पैमाना है और न ही वैसा चरित्र। अच्छा होता कि आप इस दूरी को नापने से पहले यह बता पाते कि राम के प्रति आपकी खानदानी नफरत और आपके वोटबैंक के लालच के बीच कुल कितने किलोमीटर का फासला है?

जब आदमी को अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती दिखती है, तो उसे इतिहास की कड़वी यादें भूलने का 'अल्जाइमर' रोग हो जाता है। लेकिन जनता की याददाश्त बहुत बरूर होती है, नेताजी। जनता को आज भी याद है कि जब आपके पूज्य पिताजी की हुकूमत थी, तब अयोध्या की पावन गलियों में कोई भजन नहीं गूंज रहा था, बल्कि निहत्थे रामभक्तों का खून बह रहा था। तब आपकी सरकारी मशीनरी मंदिर के पत्थरों को जब्त करने में वैसी ही मुस्तैदी दिखा रही थी, जैसी मुस्तैदी कोई डकैत माल समेटने में दिखाता है। और उसी पावन दौर में, पुलिस थानों और जेलों में कृष्ण जन्माष्टमी मनाने पर ऐसा प्रतिबंध था, मानो कंस खुद लखनऊ के सचिवालय में आकर बैठ गया हो।

जो लोग कल तक रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा के निमंत्रण पत्र को अछूत मानकर ठुकरा रहे थे, आज वे 'सियाराम-धाम' के पुनरुद्धार का ठेका लेने की बात कर रहे हैं। यह वैसा ही है जैसे बिल्ली चूहों की सुरक्षा के लिए एक सर्वदलीय समिति बनाने का प्रस्ताव रखे।

राम की सेवा के लिए 'भेष' और 'ट्वीट' बदलने की नहीं, 'भाव' बदलने की जरूरत होती है। पर आपके पास तो वही पुराना हलफनामा है, जो आपने कभी सर्वोच्च न्यायालय में जमा किया था। आपकी पूरी राजनीतिक पूंजी ही यही रही है कि जब तक सत्ता में रहो, हिंदुओं की आध्यात्मिक भावनाओं को वैसे ही कुचलो जैसे रास्ते का कंकड़ कुचला जाता है, और जब चुनाव आ जाएं, तो माथे पर एक लंबा सा छद्म टीका लगाकर 'इच्छाधारी रामभक्त' की मुद्रा में जनता को सम्मोहित करने निकल पड़ो।

मेरी की एक बात हमेशा याद रखिएगा भैयाजी, आप भगवान को धोखा दे सकते हैं क्योंकि वे घट-घट वासी होकर भी चुप रहते हैं, पर जनता को नहीं, क्योंकि वह सब देखकर सही समय पर ईवीएम का बटन दबाती है।

सुना है, आपने तो अयोध्या का राजा ही बदल दिया। जबकि सभी सनातनियों के लिए त्रेता युग से आज तक अयोध्या के राजा श्री रामचन्द्र जी हैं। जो काम लंका का रावण अपनी पूरी दस खोपड़ियों की ताकत लगाकर नहीं कर पाया, वह आपने अपने वोटबैंक को खुश करने के लिए बड़ी सरलता से कर दिया। कई दिनों तक संसद में अपने बगल में उनको बैठाकर घुमाते रहे। राम से इतनी घृणा कि उन्हें अयोध्या के राजा के रूप में स्वीकार करने में आपकी छाती फटने लगती है, इसलिए आपने प्रतीकों का नया बाज़ार सजा लिया। आपका यह दोहरा चरित्र और अतीत उत्तर प्रदेश के हर रामभक्त के सीने में एक गहरे घाव की तरह आज भी टीस रहा है।

याद रखिए, इतिहास की स्याही बहुत पक्की होती है, वह आपके इन बनावटी और सुगठित ट्वीट्स के 'थूक' से नहीं धुलेगी। 10 नवंबर 1990 का वह अंधकारमय काला दिन, निहत्थों का रक्तपात, थानों में जन्माष्टमी पर पाबंदी और पावन पत्थरों का अपमान, यह सब आपके माथे पर वो अमिट कलंक हैं, जिन्हें धोने के लिए यदि आप सरयू का पूरा पानी भी इस्तेमाल कर लें, तो भी कम पड़ेगा।

अयोध्या अब सज चुकी है, दिव्य और भव्य हो चुकी है। वहां अब आपके पाखंड का कोहरा नहीं, बल्कि प्रभु राम का 'परम प्रकाश' जगमगा रहा है। और इतिहास गवाह है कि जब प्रकाश उदित होता है।

# ग्राम्य विकास के विरोध में विपक्ष!

(सुरेश बहादुर सिंह)

उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट के आदेश के परिप्रेक्ष्य में ग्राम प्रधानों को भयभीत कर विपक्ष न सिर्फ नकारात्मक राजनीति का उदाहरण पेश कर रहा है, बल्कि ग्रामीण विकास में बाधा भी बन रहा है। यह साबित करता है कि जनाधार खो चुके राजनीतिक दल अपने क्षुद्र स्वार्थ के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं।)

एक बड़ा प्रश्न हम सबके समक्ष है कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति क्या है? जवाब बहुत सारे हो सकते हैं, जैसे कि जनादेश सबसे बड़ी शक्ति है लेकिन बात पूरे लोकतंत्र की हो रही है। जनादेश यह तय करता है कि सत्ता किसकी होगी लेकिन जब लोकतंत्र के बारे में विचार करेंगे तो उसकी असली ताकत संविधान द्वारा निर्धारित संस्थाओं के बीच संतुलन और परस्पर सम्मान के रूप में उभरकर सामने आएगी। शासन जनता के विश्वास से चलता है, किंतु उसकी वैधता संविधान से आती है। इसलिए जब न्यायपालिका किसी प्रशासनिक निर्णय की संवैधानिक समीक्षा करती है, तो वह किसी सरकार की पराजय या विपक्ष की विजय का अवसर नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्वाभाविक प्रक्रिया है। दुर्भाग्य से आज न्यायालयों के निर्णय भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनते जा रहे हैं। फैसलों की कानूनी व्याख्या से अधिक उन्हें राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू पर तौला जा रहा है, जिससे समाज में भ्रम और अविश्वास का वातावरण पैदा होता है। ऐसी परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि न्यायिक निर्णयों को उनकी संवैधानिक भावना के अनुरूप समझा जाए, न कि राजनीतिक प्रचार के औजार के रूप में देखा जाए।

***इलाहाबाद उच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, जिसमें ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने की व्यवस्था को असंवैधानिक ठहराया गया है, इसी समीक्षा की एक स्वाभाविक परिणति है। लेकिन यहां सहमति और असहमति के विकल्प भी हैं। संविधान में असहमति के बिंदु पर आगे जाने की व्यवस्था भी है। तो मुझे ऐसा लगता है कि चूंकि सरकार ने ग्रामीण विकास कार्यों को केंद्र में रखते हुए यह फैसला लिया था तो वह अपने संविधान सम्मत विकल्प भी देखेगी। लेकिन विपक्ष जिस प्रकार इस न्यायिक निर्णय को राजनीतिक मुद्दा बनाने के लिए आतुर है, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य सरकार ने एक प्रयास किया था कि किसी भी अवरोध पर गांवों का विकास अवरुद्ध न होने पाए।***

इलाहाबाद उच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, जिसमें ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने की व्यवस्था को असंवैधानिक ठहराया गया है, इसी समीक्षा की एक स्वाभाविक परिणति है। लेकिन यहां सहमति और असहमति के विकल्प भी हैं। संविधान में असहमति के बिंदु पर आगे जाने की व्यवस्था भी है। तो मुझे ऐसा लगता है कि चूंकि सरकार ने ग्रामीण विकास कार्यों को केंद्र में रखते हुए यह फैसला लिया था तो वह अपने संविधान सम्मत विकल्प भी देखेगी। लेकिन विपक्ष जिस प्रकार इस न्यायिक निर्णय को राजनीतिक मुद्दा बनाने के लिए आतुर है, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य सरकार ने एक प्रयास किया था कि किसी भी अवरोध पर गांवों का विकास अवरुद्ध न होने पाए। जो विकास कार्य चल रहे हैं, वे रुकने न पाएं। इसमें सरकार का अपना पक्ष विकास का है।

न्यायालय का अपना पक्ष है, लेकिन इसी के साथ एक बड़ा प्रश्न इस बात का भी है कि विपक्ष के दायित्व क्या होने चाहिए थे। न्यायालय की गरिमा का सम्मान होना चाहिए, लेकिन जब बात विकास की हो, ग्रामीण जनता के विकास की हो तो विपक्ष का उसमें राजनीतिक स्वार्थ देखना कितना न्यायोचित है, इस पर विचार करना होगा। ऐसे मुद्दों पर संकीर्णता को त्याग कर सरकार का सहयोग देना भी विपक्ष का लोकतांत्रिक कर्तव्य है। लेकिन, न्यायालय के आदेश को सही रूप में जनता तक पहुंचाने के बजाय विपक्ष ने भ्रम, भय और असत्य का एक ऐसा जाल बुनना शुरू कर दिया, जो न ग्राम प्रधानों के हित में है, न ग्रामीण समाज के और न ही इस देश के लोकतंत्र के।

यह समझना आवश्यक है कि विपक्ष कौन से भ्रम फैला रहा है और वास्तविकता क्या है। पहला और सबसे बड़ा भ्रम यह फैलाया जा रहा है कि राज्य सरकार ने जानबूझकर असंवैधानिक कार्य किया। विपक्ष की मंशा यह स्थापित करने की है कि सरकार संविधान का उल्लंघन करने की मंशा से काम कर रही थी, लेकिन क्या वाकई ऐसा है? नहीं, सरकार ने वही किया जो कोई भी जिम्मेदार व सजग संस्था करती। क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करने के लिए ग्राम प्रधान को ही प्रशासक बनाना सर्वाधिक उपयुक्त निर्णय था। फैसले की संवैधानिक व्याख्या एक जटिल और बहुआयामी प्रक्रिया है।

सरकारें प्रशासनिक निर्णय लेती हैं, न्यायालय उनकी संवैधानिक समीक्षा करता है और यदि न्यायालय किसी व्यवस्था को संविधान के अनुरूप नहीं पाता तो सरकार उस आदेश को स्वीकार करते हुए आवश्यक कदम उठाती है या अपने पक्ष को उचित मानते हुए बड़ी बेंच या शीर्ष अदालत तक जाती है। यही संवैधानिक लोकतंत्र की सुंदरता है और यही उसकी ताकत भी। न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के बीच यह संतुलन हमारे संविधान की आत्मा है। जब न्यायालय किसी व्यवस्था की संवैधानिक समीक्षा करता है तो इसका अर्थ यह है कि संवैधानिक व्याख्या का एक नया आयाम सामने आया है। आप सहमत हों तो स्वीकार करें या फिर इसे चुनौती दें।

कोर्ट के आदेश को केंद्र में रखते हुए एक भ्रम यह भी फैलाया जा रहा है कि ग्राम प्रधानों द्वारा किए गए अब तक के सभी कार्य और भुगतान अवैध हो गए हैं। इसे इतने जोर-शोर से फैलाया जा रहा है मानो पिछले पांच सालों में गांवों में हुआ हर निर्माण कार्य, हर सड़क, हर नाली, हर सामुदायिक भवन अब गैरकानूनी हो गया हो। यह न केवल कानूनी दृष्टि से निराधार है, बल्कि अत्यंत गैरजिम्मेदाराना भी है। जब बात गांव के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की हो रही हो, तो उसमें विपक्ष का दायित्व है कि वह सकारात्मक रुख अपनाए। इसे राजनीतिक मुद्दे के रूप में उठाने को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। राजनीतिक अटकलबाजी में वास्तविक तथ्यों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

इस संदर्भ में एक और बात महत्वपूर्ण है जिसे विपक्ष सायास खड़ा कर रहा है। वह यह कि ग्राम प्रधानों से उनके कार्यकाल में खर्च किए गए धन की वसूली की जाएगी। विपक्ष यह भ्रम फैलाकर उन हजारों ग्राम प्रधानों के मन में भय व आतंक का वातावरण बनाने की कोशिश कर रहा है, जिन्होंने ईमानदारी से अपने गांवों की सेवा की है। जो प्रतिनिधि सरकारी योजनाओं को जमीन पर उतारने में लगे रहे, जिन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना से लेकर स्वच्छ भारत मिशन तक को गांव-गांव पहुंचाने में अपना योगदान दिया, उन्हें भयभीत करना राजनीतिक दुर्भावना की पराकाष्ठा है।

एक सहज सवाल स्वाभाविक है कि विपक्ष यह भ्रम और भय क्यों फैला रहा है? इसके उत्तर में उन लोगों की प्रवृत्ति को देखना होगा, जिन्हें जनता खारिज कर चुकी है। जिन दलों के पास न कोई रचनात्मक नीति हो, न जनता के विकास का कोई ठोस दृष्टिकोण और न ही सत्ता में रहते हुए ग्रामीण उत्थान का कोई उल्लेखनीय इतिहास हो, उन्हें अदालती आदेश में अपने लिए संभावनाएं नजर आ रही हैं। अपने संकीर्ण स्वार्थ के लिए वे इसे भुनाने की चेष्टा करना चाहते हैं। ग्रामीण लोगों को भ्रमित करके यह सिद्ध करने का प्रयास किया जा रहा है कि सरकार उनकी विरोधी है। वास्तविकता सबके सामने है। योगी सरकार में पंचायती राज संस्थाएं कितनी सशक्त हुई हैं, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं। अदालत के आदेश पर कोई असंतुलित प्रतिक्रिया न देना न्यायपालिका के प्रति सरकार के सम्मान भाव का परिचायक है और वह इसके लिए प्रतिबद्ध भी प्रतीत होती है। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार के पास बड़ी बेंच या शीर्ष अदालत में अपील का अधिकार भी है। पंचायतों के विकास कार्य किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होने दिए जाएं, यह उसकी प्रतिबद्धता भी है।

लोकतंत्र में न्यायालय की भूमिका संविधान के संरक्षक की है। जब वह किसी व्यवस्था की समीक्षा करता है और उसे परिमार्जित करने का निर्देश देता है, तो यह लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण है। संवैधानिक संस्थाओं का सक्रिय रहना, सजग रहना, यह संदेश देता है कि वे अपने दायित्व निभा रही हैं। न्यायालय का सम्मान, संविधान की रक्षा और गांवों का निर्बाध विकास। इन तीनों को एक साथ चलना चाहिए और इसे सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। सुशासन न्यायपालिका का सम्मान करता है और जनता के हितों की सुरक्षा भी। इसलिए माना जा सकता है कि सरकार सुसंगत फैसले लेगी, संविधान सम्मत लेगी, जो विपक्ष के भ्रमजाल का जवाब भी होगा। (लेखक पूर्व अपर शासकीय अधिवक्ता, इलाहाबाद हाईकोर्ट) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

# बदहाली की मार झेल रहा मलांजकुंडुम जलप्रपात, सुविधाओं के अभाव से लौट रहे पर्यटक

**जिला मुख्यालय से महज 20 किमी दूर स्थित प्राकृतिक धरोहर की सुध लेने की मांग, स्थानीयों ने कहा-विकास होगा तो बढ़ेगा रोजगार**

**कांकेरः**-कांकेर जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर पहाड़ियों की मनोरम वादियों के बीच स्थित मलांजकुंडुम जलप्रपात इन दिनों शासन-प्रशासन की अनदेखी के चलते बदहाली का शिकार बना हुआ है। बरसात के मौसम में दूधनदी का कल-कल करता जल इस जलप्रपात की सुंदरता में चार चांद लगा देता है और बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं, लेकिन मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से इस पर्यटन स्थल के विकास और सौंदर्गीकरण की बातें होती रही हैं, लेकिन धरातल पर अब तक कोई ठोस कार्य नहीं हुआ। न तो पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं और न ही सुरक्षा व स्वच्छता की समुचित व्यवस्था की गई है। इसका असर यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या पर भी दिखाई देने लगा है।

ग्रामीणों ने बताया कि स्थानीय स्तर पर ग्राम समिति बनाकर साफ-सफाई और व्यवस्थाएं बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि आने वाले पर्यटकों को परेशानी न हो। बावजूद इसके, बड़े स्तर पर विकास कार्यों के लिए शासन-प्रशासन की पहल जरूरी है। उनका कहना है कि अधिकारी स्थल का निरीक्षण तो करते हैं और विकास के आश्वासन भी देते हैं, लेकिन इसके बाद कोई कार्रवाई नजर नहीं आती।

स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि मलांजकुंडुम जलप्रपात का सुनियोजित विकास किया जाए, तो यह क्षेत्र प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है। इससे न केवल पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी, बल्कि आसपास के ग्रामीणों को रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि इस प्राकृतिक धरोहर का संरक्षण करते हुए आवश्यक पर्यटन सुविधाएं शीघ्र विकसित की जाएं, ताकि मलांजकुंडुम जलप्रपात अपनी पहचान के अनुरूप पर्यटन मानचित्र पर विशेष स्थान प्राप्त कर सके।

# वन्यजीव अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए वन अमले को मिला प्रशिक्षण

**95 अधिकारी-कर्मचारियों को कानून, साक्ष्य संकलन और न्यायालयीन प्रक्रिया की दी जानकारी**

**बीजापुर।** वन्यजीव संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से वनमंडल बीजापुर में शुक्रवार को एक दिवसीय वनमंडल स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। डीएफओ डॉ. जाधव सागर रामचंद्र के मार्गदर्शन में हुए प्रशिक्षण में वन विभाग के 95 अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में बांधवगढ़ (मध्यप्रदेश) से आए विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र मिश्रा एवं अधिवक्ता यश कुमार सोनी ने वन्यजीव अपराधों की रोकथाम, साक्ष्य संकलन, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 (संशोधित 2022), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम तथा न्यायालयीन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण का उद्देश्य मैदानी अमले को कानूनी प्रावधानों से अवगत कराते हुए वन्यजीव अपराधों में प्रभावी कार्रवाई और न्यायालय में मजबूत परिवाद प्रस्तुत करने के लिए तैयार करना रहा।कार्यक्रम में वनमंडल के सभी उपवनमंडलाधिकारी, वन परिक्षेत्र अधिकारी, उपवनक्षेत्रपाल, वनपाल एवं वन रक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षकों ने वन्यजीव अपराधों की जांच और अभियोजन से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं पर भी मार्गदर्शन दिया।इस दौरान एसडीओ देवेंद्र गोंड ने वर्षा ऋतु के मद्देनजर मैदानी अमले को नियमित गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जंगलों में अवैध साफ-सफाई, अतिक्रमण और वृक्षों की अवैध कटाई जैसी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर नियमानुसार वन अपराध दर्ज कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

# यूनियन की मांग पर निकाय के सफाई कर्मियों को मिला सुरक्षा उपकरण

**कांकेर।** कांकेर नगर पालिका में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों में नगर पालिका कांकेर ने सफाई कर्मियों को आज उनके सुरक्षा उपकरण वितरित किया है। यह जानकारी छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय कर्मचारी यूनियन के इकाई महासचिव दिलीप साहू ने आज एक प्रेस बयान जारी कर बताया। साहू ने बताया कि कर्मचारी यूनियन द्वारा नगर पालिका अधिकारी को 7 दिन पहले मांग किया गया था कि निकाय में कार्यरत सभी सफाई कर्मचारियों को बरसाती, बरसाती जूता, हाथ के दस्ताने एक जुलाई तक वितरित किया जाना चाहती। नगर पालिका अधिकारी ने यूनियन की मांगों को स्वीकार करते हुए आज सफाई कर्मचारियों को बरसाती, हाथ का दस्ताना, बरसाती जूता वितरित की गई है। यूनियन नेता ने इसे यूनियन की एक जीत के रूप से निरूपित करते हुए सफाई कर्मचारियों को बताया कि यह अभी आंशिक जीत हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि अभी साप्ताहिक अवकाश का मांग किया गया है, उसे भी अमल कराने की लड़ाई हमारी जारी रहेगी। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को अपनी एकजुटता बनाए रखने का अपील किया है।

# कोटवारों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा 11 सूत्रीय ज्ञापन, मानदेय वृद्धि व नियमितीकरण की उठाई मांग

**कोटवार एसोसिएशन ऑफछत्तीसगढ़ ने वेतन विसंगति, नियुक्ति नियम और अधिकारियों द्वारा कथित उत्पीड़न पर जताई नाराजगी**

**कांकेर।** चरामा कांकेर कोटवार एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ की तहसील शाखा चरामा द्वारा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम तहसीलदार के माध्यम से 3 जुलाई 2026 को 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में प्रदेश के कोटवारों की वर्षों से लंबित समस्याओं के निराकरण की मांग करते हुए शासन से शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया गया। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश के कोटवार लंबे समय से नियमितीकरण, उचित मानदेय और सामाजिक सुरक्षा जैसी मूलभूत मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित करते रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो सका है। संगठन का कहना है कि अल्प मानदेय के कारण कोटवारों के परिवारों का भरण-पोषण कठिन हो गया है तथा वृद्धावस्था में भी उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एसोसिएशन ने कोटवारों का नियमितीकरण करते हुए अन्य राज्यों की तर्ज पर शासकीय कर्मचारी का दर्जा देने, सेवा भूमि के आधार पर वर्तमान मानदेय में बढ़ोतरी करने तथा ए, बी, सी और डी श्रेणी के कोटवारों का मासिक मानदेय क्रमशः 15 हजार, 12 हजार, 10 हजार और 8 हजार रुपये किए जाने की मांग रखी है।

ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि मृत कोटवारों के आश्रितों की नियुक्ति नियमों के अनुरूप हो तथा अधिकारियों द्वारा कथित रूप से की जा रही अनावश्यक ड्यूटी, बेवजह प्रताड़ना और झूठे आरोपों पर रोक लगाई जाए। संगठन ने शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर बिना तथ्य किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं करने की मांग भी की है। कोटवार एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेशभर के कोटवार लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन जिला अध्यक्ष एवं तहसील शाखा पदाधिकारियों के हस्ताक्षर सहित शासन को प्रेषित किया गया।

# रक्तदान अभियान को मिलेगी नई गति, जगदलपुर और बकावंड ब्लॉक की कार्यकारिणी गठित, रेडक्रॉस सोसाइटी ने पदाधिकारियों की घोषणा की, गांव-गांव तक रक्तदाता नेटवर्क बनाने पर रहेगा जोर

**जगदलपुर।** भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला बस्तर ने स्वैच्छिक रक्तदान को जन-आंदोलन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जगदलपुर एवं बकावंड ब्लॉक की नई कार्यकारिणी का गठन किया है। नवगठित टीमों का उद्देश्य जिले में रक्तदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, नियमित रक्तदान शिविर आयोजित करना तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराने के लिए मजबूत रक्तदाता नेटवर्क तैयार करना होगा।बस्तर कलेक्टर एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष आकाश छिकारा के मार्गदर्शन तथा सचिव एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक के निर्देशानुसार ब्लड बैंक समिति के अध्यक्ष अविनाश सिंह गौतम ने दोनों ब्लॉकों की कार्यकारिणी की घोषणा की।जगदलपुर ब्लॉक में बी. प्रसाद राव को अध्यक्ष एवं ओम साहू को सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं बकावंड ब्लॉक की जिम्मेदारी श्याम बघेल को अध्यक्ष तथा प्रकाश जोशी को सचिव के रूप में सौंपी गई है। दोनों ब्लॉकों में उपाध्यक्ष, संयोजक और सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है।ब्लड बैंक समिति के अध्यक्ष अविनाश सिंह गौतम ने कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। नई कार्यकारिणियां गांव-गांव तक रक्तदान जागरूकता अभियान चलाएंगी और युवाओं, सामाजिक संगठनों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं को इससे जोड़ने का कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि लक्ष्य ऐसा तंत्र विकसित करना है, जिससे जिले में किसी भी जरूरतमंद को रक्त के अभाव का सामना न करना पड़े।

इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी की ब्लड बैंक समिति के उपाध्यक्ष अलेक्जेंडर एम. चेरियन, चेयरमैन मनीष गुप्ता, वाइस चेयरमैन नरेश मिश्रा, कोषाध्यक्ष ऋषि भटनागर सहित अन्य पदाधिकारियों ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए रक्तदान अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

---

जगदलपुर ब्लॉक कार्यकारिणी

अध्यक्षः बी. प्रसाद राव

उपाध्यक्षः गजेंद्र सेठिया, दिव्य साहू, बृजेश कपूर, नीलम कुशवाहा

सचिवः ओम साहू

संयोजकः वीरेंद्र शर्मा, ज्योति पटवा, घनश्याम नाग, भागीरथी प्रसाद मौर्य

सदस्यः लक्ष्मी देवांगन, संगीता साहू, नितेश पटेल, राजपाल सिंह, मोहम्मद अल्ताफ हिमांशु मिश्रा

---

बकावंड ब्लॉक कार्यकारिणी

अध्यक्षः श्याम बघेल

उपाध्यक्षः खुसवंत पांडे, फाल्गुनी पटेल, फुलमनी कश्यप, लूपतेश्वर पाणिग्रही

सचिवः प्रकाश जोशी

संयोजकः हेमंत नाग, पूनम कश्यप, भीमबती नाग, नूतन राम कर्मा, प्रभु चरण यादव

सदस्यः डमरू मंडावी, दीपक सिंह बिसाई, गोपाल गरेंगा, हेमलाल आचार्य, कमल पटेल

संरक्षकः किशोर पांडे, नीलकुमार बघेल

# सहकारिता सप्ताह के तहत कोसीर समिति में हुआ वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

**कोसीर।** भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्यादित, कोसीर (पंजीयन क्रमांक 1561) के परिसर में शनिवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में अधिकारियों, समिति कर्मचारियों और किसानों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास का संदेश दिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहायक आयुक्त सहकारिता एवं नोडल अधिकारी, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ कामेश सिंह कश्यप ने पौधरोपण करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते पर्यावरणीय संकट के दौर में प्रत्येक व्यक्ति का अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी नियमित देखभाल करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियां केवल किसानों को कृषि सेवाएं उपलब्ध कराने तक सीमित न रहें, बल्कि पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर सहकारिता निरीक्षक लकेश्वर देवांगन, समिति प्रबंधक खगेश जांगड़े, समिति के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे। सभी ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष न केवल पर्यावरण को शुद्ध करने का माध्यम हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित, स्वस्थ और समृद्ध भविष्य की अमूल्य धरोहर भी हैं। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

**5 से 11 जुलाई तक सात दिवसीय धार्मिक महोत्सव, कलश यात्रा से महायज्ञ तक होंगे विविध आयोजन**

# हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज रहा मददेड़, 8 जुलाई को होगी शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा

**बीजापुर।** जिले के मददेड़ गांव में नव निर्मित श्री शिव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं कलश स्थापना महोत्सव को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पूरे गांव में इन दिनों शिवभक्ति का माहौल है। मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट, विद्युत रोशनी और भगवा ध्वजों से सजाया गया है, जबकि ÷हर-हर महादेव÷ और ÷?

नमः शिवाय÷ के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। श्री सीताराम शिवालय समिति एवं ग्रामवासियों के संयुक्त तत्वावधान में 5 से 11 जुलाई तक सात दिवसीय धार्मिक महोत्सव आयोजित किया जाएगा। 5 जुलाई को वरुण पूजन, गौरी-गणेश पूजन, घट स्थापना, भगवान शिव की नगर भ्रमण शोभायात्रा और कलश यात्रा के साथ आयोजन का शुभारंभ होगा। इसके बाद प्रतिदिन वैदिक परंपरा के अनुसार विभिन्न अधिवास, पूजन एवं आरती के कार्यक्रम होंगे।

महोत्सव का मुख्य आकर्षण 8 जुलाई को रहेगा। ब्रह्ममुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी। इसके बाद रुद्राभिषेक, महाआरती और विशेष पूजा-अर्चना होगी। आयोजन में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।9 जुलाई को मंदिर के शिखर एवं ध्वज की स्थापना, 10 जुलाई को महायज्ञ, पूर्णाहुति और विशाल महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। 11 जुलाई को शिव नामकरण विधि एवं आचार्य प्रस्थान के साथ महोत्सव का समापन होगा। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से परिवार सहित आयोजन में शामिल होकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह आयोजन केवल मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आस्था, सामाजिक एकता और सनातन संस्कृति का उत्सव है। मददेड़ गांव भगवान भोलेनाथ के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार है।

# कोड़ेनार में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मनाई स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि

**किरंदुल।** युवाओं के प्रेरणास्रोत और ÷उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको÷ का संदेश देने वाले स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि कोड़ेनार में शनिवार श्रद्धा के साथ मनाई गई।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने रिंग रोड नंबर 04 स्थित पेट्रोल पंप के पास स्वामी जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए।इस दौरान राष्ट्र निर्माण में स्वामी जी के योगदान को याद किया गया।इस अवसर पर कोड़ेनार की सरपंच मीना मंडावी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के विचार आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं।हमें उनके आदर्शों को अपनाकर अपने गांव और देश को मजबूत बनाना है।कार्यक्रम में उपसरपंच तपन दास,भाजपा जिला उपाध्यक्ष डीपी मिश्रा सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहें।

## संक्षिप्त समाचार

### जीपीएम : पंचायत सचिव किशन राठौर निलंबित,मनरेगा में मशीनों के उपयोग समेत कई गंभीर आरोप

**गौरेला-पेंड्रा-मरवाही।** गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में प्रशासनिक शिथिलता और अनुशासनहीनता के खिलाफजिला पंचायत प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत तरईगांव के सचिव किशन राठौर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। राठौर पूर्व में ग्राम पंचायत सेमरा में पदस्थ थे।जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सचिव किशन राठौर के विरुद्ध लंबे समय से विभिन्न शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। जांच के दौरान कई आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए, जिसके बाद उनके खिलाफयह कार्रवाई की गई। जांच में सामने आए आरोपों में शासकीय प्राथमिक शाला भवन के ध्वस्तीकरण एवं पुनर्निर्माण कार्य में नियमों की अनदेखी, मनरेगा कार्यों में नियमों के विपरीत मशीनों का उपयोग, सरकारी संपत्ति का अनुचित इस्तेमाल, न्यायालय एवं विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना तथा शासकीय सेवक रहते हुए राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी शामिल है। इन आरोपों के संबंध में प्रशासन ने पहले सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था। हालांकि, उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम, 1999 के प्रावधानों के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया गया। आदेश के अनुसार, निलंबन अवधि के दौरान किशन राठौर का मुख्यालय जनपद पंचायत मरवाही निर्धारित किया गया है। इस अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा। जिला पंचायत प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय कार्यों में लापरवाही, नियमों की अवहेलना और अनुशासनहीनता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी तथा ऐसे मामलों में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

### बुजुर्ग माता-पिता को प्रताड़ित करने वालों को घर से बेदखल किया जा सकता है - हाईकोर्ट

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बुजुर्ग माता-पिता के अधिकारों की रक्षा करते हुए एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट की एकलपीठ ने स्पष्ट किया कि यदि संतान अपने बुजुर्ग माता-पिता को मानसिक या शारीरिक रूप से प्रताड़ित करती है, तो उसे माता-पिता के घर से बेदखल किया जा सकता है। अदालत ने बेटे और बहू की याचिका खारिज करते हुए मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल और अपीलीय ट्रिब्यूनल के बेदखली संबंधी आदेश को बरकरार रखा। मामला बिलासपुर की मिनोचा कॉलोनी निवासी 93 वर्षीय संतोष खन्ना से जुड़ा है। उन्होंने मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल में आवेदन देकर आरोप लगाया था कि उनके बड़े बेटे देवेन्द्र खन्ना और बहू नीरजा खन्ना, जो मकान की पहली मंजिल पर रहते हैं, उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित और परेशान करते हैं। बुजुर्ग महिला ने अपनी सुरक्षा को खतरा बताते हुए बेटे-बहू को घर से बेदखल करने की मांग की थी। मामले की सुनवाई के बाद मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल ने 12 सितंबर 2024 को बेटे और बहू को मकान खाली करने का आदेश दिया था। इस आदेश के खिलाफउन्होंने अपीलीय ट्रिब्यूनल में चुनौती दी, लेकिन वहां भी उन्हें राहत नहीं मिली। इसके बाद बेटे-बहू ने ट्रिब्यूनल के आदेश को चुनौती देते हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मेंटेनेंस ट्रिब्यूनल और अपीलीय ट्रिब्यूनल के आदेश को सही ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यदि कोई संतान अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ मानसिक या शारीरिक प्रताड़ना करती है, तो ऐसे मामलों में उसे माता-पिता के घर से बेदखल किया जा सकता है। अदालत का यह फैसला वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके सम्मानजनक जीवन के अधिकार को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

### सीपत पुलिस की कार्रवाई, एक्टिवा से 16.2 लीटर अवैध शराब ले जा रहे दो आरोपी गिरफ्तार

**बिलासपुर।** अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीपत पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 16.200 लीटर देशी शराब और एक एक्टिवा जब्त की है। दोनों आरोपियों को आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे चेतना विरुद्ध नशा अभियान के तहत 3 जुलाई 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति एक्टिवा से बड़ी मात्रा में देशी शराब बिक्री के लिए ले जा रहा है। सूचना के आधार पर सीपत पुलिस ने ग्राम खांडा पेट्रोल पंप के पास मुख्य मार्ग पर घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की।

## खबर का बड़ा असर

# कुंभकर्णी नींद से जागा प्रशासन,गोबरी नदी रपटा पुल पर अप्रोच रोड का निर्माण कार्य शुरू हुआ..

■ अनोखे चंदा आंदोलन के आगे झुका सिस्टम, युवाओं और ग्रामीणों ने मीडिया का जताया आभार

**सूरजपुर संवाददाता।** विकासखंड भैयाथान के ग्राम खुटरापारा (डूमरिया से केवरा भैयाथान पहुंच मार्ग) में गोबरी नदी पर बने ?15 लाख के रपटा पुल की दुर्दशा और गायब अप्रोच रोड को लेकर छपी खबरों का बड़ा और त्वरित असर देखने को मिला है। स्थानीय मीडिया द्वारा ग्रामीणों और युवाओं की इस जायज समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद आखिरकार जिला प्रशासन और संबंधित विभाग की कुंभकर्णी नींद टूट गई है। विभाग द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए मौके पर भारी मशीनों (रोलर और ग्रेडर) को उतारकर युद्ध स्तर पर अप्रोच रोड को दुरुस्त करने और जीएसबी, डब्ल्यूएमएम और स्टोन डस्ट डालने का काम शुरू कर दिया गया है। इस त्वरित प्रशासनिक कार्रवाई की जिसमें सड़क निर्माण कार्य को गति पकड़ते हुए साफदेखा जा सकता है। **चंदे के डिब्बे ने दिखाया था सिस्टम को आईना**-गौरतलब है कि पहली ही बारिश में रपटा पुल के दोनों ओर की कच्ची मिट्टी बह जाने के कारण यह मार्ग पूरी तरह से जानलेवा दलदल में तब्दील हो चुका था। एक साल से लगातार मिल रहे खोखले आश्वासनों और नेताओं के केवल 'फोटो अपॉर्चुनिटी' वाले दौरों से तंग आकर क्षेत्र के युवाओं ने गांधीवादी तरीके से चंदा इकट्ठा कर खुद अप्रोच रोड बनाने की अनोखी मुहिम शुरू की थी। इस शांतिपूर्ण लेकिन तीखे विरोध की

तस्वीरें विभिन्न समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित हुई थीं, जिसने पूरे प्रशासनिक अमले को कटघरे में खड़ा कर दिया था।

**में आया दर्द: मीडिया की दस्तक से दर्जनभर गांवों को मिली राहत**-यह मार्ग ग्राम पंचायत गंगौटी, डबरीपारा, खुटरापारा, बासापारा, भवरहा, सोनपुर, करौंदा मुंडा, टेगनी, बिलारो, बड़सरा, बस्कर और पन्डोपारा सहित दर्जनभर से अधिक गांवों की जीवनरेखा है। कीचड़ के कारण स्कूली बच्चों, मरीजों और किसानों का आवागमन पूरी तरह ठप हो चुका था। समाचार पत्रों में देखा जा सकता है कि इस जनसमस्या को बिना किसी लाग-लपेट के सीधे तौर पर उजागर किया गया, जिससे बात आला अधिकारियों तक पहुंची और कागजी घोड़े दौड़ाने वाला विभाग जमीनी कार्रवाई करने पर मजबूर हुआ।

# आर्थिक संबल से सशक्त होंगे शिक्षा के सपने.....

■ कलेक्टर ने छात्रा को प्रदान किए बैग एवं गणवेश, छात्रावास की भी होगी व्यवस्था

**सूरजपुर संवाददाता।** बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन सूरजपुर ने संवेदनशील पहल करते हुए एक जरूरतमंद छात्रा के उच्च शिक्षा के सपनों को नया संबल प्रदान किया है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने गोवर्धनपुर निवासी छात्रा स्वाति मरावी को बैग एवं गणवेश प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा पूरे मनोयोग और लगन के साथ अध्ययन जारी

रखने के लिए प्रेरित किया। उल्लेखनीय है कि छात्रा ने पारिवारिक आर्थिक कठिनाइयों के कारण पढ़ाई प्रभावित होने की जानकारी देते हुए जिला प्रशासन से सहयोग का अनुरोध किया था। मामले पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने शिक्षा विभाग को त्वरित आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके तहत छात्रा को गणवेश एवं बैग उपलब्ध कराया गया है। साथ ही छात्रावास में प्रवेश, पाठ्य-पुस्तकों की उपलब्धता तथा फीस की व्यवस्था सुनिश्चित करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। वर्तमान में स्वाति मरावी शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा हैं। जिला प्रशासन की यह पहल बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने तथा आर्थिक अभाव को शिक्षा में बाधा नहीं बनने देने की शासन की प्रतिबद्धता को साकार रूप प्रदान करती है।

# दो मरीजों की मौत के बाद डी.डी. अस्पताल सील,लाइसेंस निलंबित

■ गंभीर लापरवाही पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

**गौरेला-पेंड्रा-मरवाही।** गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के सेमरा (गौरेला रोड) स्थित निजी डी.डी. अस्पताल पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अस्पताल को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया है। दो महिला मरीजों की मौत और गंभीर चिकित्सीय लापरवाही के आरोपों की जांच के बाद कलेक्टर एवं पर्यवेक्षी प्राधिकारी ने अस्पताल का पंजीयन (लाइसेंस) भी अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। प्रशासनिक जांच के अनुसार, ग्राम बेदरचुआ निवासी ज्योति सोनवानी को 11 जून 2026 को गंभीर हालत में जिला अस्पताल से सिम्स बिलासपुर रेफर किया गया था। आरोप है कि रास्ते में एक एजेंट ने एंबुलेंस रुकवाकर मरीज को डी.डी. अस्पताल में भर्ती करा दिया। वहां 11 से 16 जून तक इलाज किया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर उसे सिम्स रेफर कर दिया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृत्यु के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल के बाहर शव रखकर चक्काजाम किया। परिजनों ने आरोप लगाया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत भर्ती होने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने उनसे 1.45 से 1.50 लाख रुपये तक की अवैध वसूली की। दूसरे मामले में ग्राम जिलगा निवासी 35 वर्षीय गर्भवती लीलावती को 5 जून 2026 को गंभीर एक्लैम्पसिया और एनीमिया की स्थिति में डी.डी. अस्पताल में भर्ती कर ऑपरेशन किया गया। जांच में सामने आया कि अस्पताल में इस तरह के गंभीर मरीजों के उपचार की आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। बाद में हालत बिगड़ने पर महिला को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां 20 जून को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। 17 और 18 जून को प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में कई गंभीर खामियां सामने आईं। जांच के दौरान अस्पताल में 11 मरीज भर्ती मिले, जिनमें तीन मरीजों की सर्जरी हो चुकी थी। इसके बावजूद अस्पताल में न तो कोई चिकित्सक मौजूद था और न ही गंभीर मरीजों की देखभाल के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ। जांच में यह भी पाया गया

# कलेक्टर ने तालाब में जनप्रतिनिधि और नागरिकों के साथ श्रमदान कर स्वच्छता का दिया संदेश.....

**सूरजपुर संवाददाता।** स्वच्छ भारत मिशन एवं स्वच्छ नगर की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में नगर पालिका परिषद सूरजपुर के बाजारपारा स्थित चम्बोथी तालाब में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के नेतृत्व में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर सामूहिक श्रमदान किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, उपाध्यक्ष श्री शैलेश अग्रवाल, पार्षद श्री प्रमोद तायल, नगर पालिका व अन्य विभाग के संबंधित अधिकारी -कर्मचारियों तथा नागरिकों के साथ श्रमदान कर तालाब परिसर की साफ-सफाई की। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने स्वयं ग्लव्स पहनकर झाड़ू लगाया और कचरा उठाकर स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने

उपस्थित नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नगर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाए रखने में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि सभी नागरिक दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे आएं, तो सूरजपुर स्वच्छता के क्षेत्र में न केवल प्रदेश बल्कि देश में भी अलग पहचान बना सकता है।अभियान के दौरान कलेक्टर ने नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि तालाब सहित नगर के अन्य सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने एवं कचरा फेंकने वालों को पहले उचित कचरा प्रबंधन के लिए समझाइश दी जाए। इसके बाद भी सुधार नहीं होने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध जुर्माना वसूली की कार्रवाई की जाए। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर निगरानी के लिए कैमरों के उपयोग की भी बात कही। कलेक्टर ने जलस्रोतों की नियमित सफाई, तालाब परिसर के सौंदर्यीकरण तथा चारों ओर पौधरोपण कराने के निर्देश दिए, ताकि परिसर स्वच्छ, हरित और आकर्षक बने। साथ ही मटन मार्केट के दुकानदारों द्वारा इधर-उधर अवशेष फेंककर फैलायी जा रही गंदगी पर भी नाराजगी व्यक्त करते हुए सीएमओ को तत्काल सफाई सुनिश्चित कराने तथा भविष्य में गंदगी फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान बड़ी संख्या में नगर के जनप्रतिनिधि, नगरवासी व अधिकारी-कर्मचारियों ने सामूहिक श्रमदान किया।

# जीपीएम जिले में SDM, तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के प्रभार बदले

**गौरेला-पेंड्रा-।** गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले में प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुचारू बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने जिला मुख्यालय में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के बीच व्यापक कार्य विभाजन करते हुए तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों के प्रभार में भी बड़े बदलाव किए हैं। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) मुकेश रावटे को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का संपूर्ण कार्यभार सौंपा गया है। इसके अलावा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, कृषि, क्रेडा, सी-मार्ट, महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क, पीएम जनमन योजना तथा बैगा विकास प्राधिकरण का दायित्व भी उनके पास रहेगा। अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी (एडीएम) दिलेराम डाहिरे को कानून-व्यवस्था, राजस्व अपील, पुनरीक्षण, प्राकृतिक आपदा प्रबंधन, शस्त्र अनुज्ञप्ति नवीनीकरण और खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संयुक्त कलेक्टर निकिता मरकाम को एसडीएम मरवाही बनाया गया है। वे मरवाही तहसील के राजस्व, भू-अर्जन, नजूल तथा निर्वाचन संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी संभालेंगी। डिप्टी कलेक्टर अमित बेक को एसडीएम पेंड्रारोड नियुक्त किया गया है। उनके अधीन पेंड्रारोड, पेंड्रा और सकोला तहसीलों के राजस्व एवं दंडाधिकारी संबंधी कार्यों के साथ जनगणना शाखा और सत्कार अधिकारी का प्रभार भी रहेगा। डिप्टी कलेक्टर आकांक्षा पाण्डेय को स्थापना, वित्त शाखा, जिला नाजरात, मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना, समाज कल्याण विभाग, बाढ़ आपदा प्रबंधन तथा एनआईसी (हब्बुष्ट) की जिम्मेदारी दी गई है। विक्रांत कुमार अंचल को उप जिला निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। साथ ही उन्हें डीएमएफ निधि, सीएसआर, जेल अधीक्षक, जन सूचना अधिकारी (आरटीआई) तथा मुख्यमंत्री जन शिकायत निवारण शाखा का दायित्व सौंपा गया है। देवेन्द्र कुमार सिरमौर को भू-अभिलेख, डायवर्सन, भू-अर्जन, पासपोर्ट, परीक्षा शाखा, भूइयां कार्यक्रम, डिजिटल सर्वे तथा पुरातत्व एवं पर्यटन विभाग का प्रभारी बनाया गया है। तहसीलदारों के तबादले प्रशासनिक आदेश के तहत तीन तहसीलदारों के प्रभार में बदलाव किया गया है। शेषनारायण जायसवाल को पेंड्रारोड से स्थानांतरित कर पेंड्रा तहसीलदार बनाया गया है। प्रीति शर्मा को मरवाही से स्थानांतरित कर गौरेला तहसील की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अविनाश कुजुर को पेंड्रा से स्थानांतरित कर मरवाही तहसीलदार नियुक्त किया गया है। उमेश कुमार चौहान को पेंड्रा से पेंड्रारोड भेजा गया है। उन्हें उप तहसील बस्ती का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।रमेश कुमार कमार को वर्तमान दायित्वों के साथ उप तहसील निमधा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अंजली मिश्रा को जनगणना शाखा से हटाकर सकोला का प्रभारी तहसीलदार बनाया गया है।

# कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिले के पर्यटन स्थलों का किया निरीक्षण,सुविधाओं के विस्तार एवं सौंदर्यीकरण के दिए निर्देश....

■ पहाड़गांव पर्यटन स्थल में कलेक्टर ने समूह की महिलाओं के साथ स्वयं ट्रेकिंग कर देखा जमीनी हालात

■ पर्यटन को बढ़ावा देने प्रशासन सक्रिय, सुरक्षा, स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं के लिए दिए निर्देश

**सूरजपुर संवाददाता।** कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने रविवार को जिले के विभिन्न पर्यटन स्थलों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं, पर्यटन गतिविधियों तथा विकास की संभावनाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केनापारा पर्यटन स्थल, पंडोपारा स्थित राष्ट्रपति भवन, पहाड़गांव पर्यटन स्थल तथा सिलफिली में संचालित पिलखा क्षीर का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती जमील ने केनापारा पर्यटन स्थल में समूह की महिलाओं से बोटिंग एवं फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने वहां स्थित ओपन जिम, हट एवं शेड का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की तथा उपलब्ध संसाधनों को व्यवस्थित कर पर्यटन गतिविधियों को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। साथ ही परिसर में संचालित दुकानों की स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्हें पुनः व्यवस्थित कर पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करने को कहा। कलेक्टर ने पंडोपारा स्थित देश के दूसरे राष्ट्रपति भवन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने

भवन परिसर में प्रदर्शित देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के वर्ष 1952 में पंडोपारा आगमन से संबंधित छायाचित्रों सहित अन्य तस्वीरों का अवलोकन किया। उन्होंने श्री बसंत पंडो से भेंट कर उनका सम्मान किया तथा आत्मीय चर्चा के दौरान उनसे ऐतिहासिक स्मृतियों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर श्री बसंत पंडो ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद से मुलाकात से जुड़ी अपनी स्मृतियां साझा कीं। निरीक्षण के दौरान श्री रामचंद्र पंडो द्वारा स्वास्थ्य संबंधी समस्या से अवगत कराए जाने पर कलेक्टर ने बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही राष्ट्रपति भवन में आने वाले पर्यटकों एवं शोधार्थियों के लिए जनजातीय जीवन, संस्कृति और इतिहास से संबंधित फोटो गैलरी विकसित करने तथा आगंतुक पंजी संधारित करने के निर्देश भी दिए। इसके पश्चात कलेक्टर श्रीमती जमील ने पहाड़गांव पर्यटन स्थल का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने समूह द्वारा संचालित पिलखा हिल्स कैफे का अवलोकन किया तथा आने वाले पर्यटकों के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि प्राकृतिक सौंदर्य के कारण यहां दूर-दूर से पर्यटक पहुंचते हैं। कलेक्टर ने यहां संचालित सामुदायिक गतिविधियों की जानकारी लेते हुए बोटिंग व्यवस्था के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समूह की महिलाओं ने बरसात के मौसम में बोट तक पहुंचने में पर्यटकों को होने वाली असुविधा से अवगत कराते हुए सीढ़ी निर्माण की आवश्यकता बताई, जिस पर कलेक्टर ने आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए।

# यहां 'समय देव' के रूप में पूजे जाते हैं शिव

## दिया जाता है अनोखा प्रसाद

**देशभर में देवों के देव महादेव के कई प्राचीन और अनोखे मंदिर हैं, जहां भगवान शिव की पूजा की परंपराएं भी अलग और अनोखी हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर में भी महादेव का एक अनोखा मंदिर है। यहां भगवान की पूजा के साथ साथ समय (घड़ी) यानी टाइम की पूजा की जाती है। भगवान शिव को यहां 'समय देव' के नाम से पुकारा जाता है। और उनकी पूजा की जाती है। आइए इस धार्मिक स्थल के बारे में विस्तार से जानते हैं।**

शास्त्रों में भगवान शिव को काल का स्वामी माना गया है, इसलिए उनको महाकाल के रूप में जाना जाता है। यहां पर समय देव के रूप में शिव जी ही विराजमान हैं। इस मंदिर में एक छोटा सा शिवलिंग है। यहां भक्त अपने आराध्य की पूजा समय देव के रूप में करते हैं। कानपुर के नवाबगंज इलाके में एक बूढ़ा पीपल है। वहीं भगवान का ये छोटा सा मंदिर बना हुआ है।

### मन्नत पूरी होने पर घड़ी चढ़ाई जाती है

मंदिर इतना छोटा है कि एक साथ 10 लोग अंदर नहीं घुस सकते हैं, लेकिन इसके बाद भी यहां भक्तों की भीड़ उमड़ती है। विशेषतौर पर जिन भक्तों की मन्नत पूरी होती है, वो यहां अवश्य आते हैं। इस मंदिर में पूजा और प्रसाद बांटने की जो परंपरा है, वही इसको सबसे अलग बनाती है। इस मंदिर में भक्त भोग के रूप में घड़ी चढ़ाते हैं और मन्नत पूरी होने पर भी घड़ी ही चढ़ाई जाती है।

इतना ही नहीं इस मंदिर में प्रसाद के रूप में भी भक्तों को घड़ी ही दी जाती है। ऐसा इसलिए किया जाता है, क्योंकि यहां भक्तों द्वारा चढ़ाई गई घड़ियों की संख्या बहुत अधिक हो जाती है। यहां दर्शन करने वाले भक्त मानते हैं कि समय देव कष्टों को जल्दी दूर कर देते हैं। सावन के समय पर इस मंदिर में भक्तों की विशेष भीड़ लगती है। इस मंदिर की कथा बहुत रोचक बताई जाती है।

### मंदिर की रोचक है कथा

मंदिर की कथा के अनुसार, एक बार कानपुर का एक व्यापारी गुजरात के समय देव मंदिर गया था। वहां उसने मन्नत मांगी थी। उसने कहा था कि अगर उसका काम बन गया तो अपने शहर में भी एक ऐसे ही मंदिर का निर्माण करवाएगा। जब उसका काम हो गया और वह कानपुर वापस आया, तो उसने समय देव के रूप में शिवलिंग की स्थापना की। बस तब से कानपुर का यह समय देव मंदिर लोकप्रिय हो गया।

## किस दिन कौन से रंग के कपड़े पहनना होता है शुभ?

**ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्ताह का प्रत्येक दिन किसी न किसी ग्रह और देवता को समर्पित होता है। हर ग्रह की अपनी विशेष ऊर्जा और कंपन (वाइब्रेशन) मानी जाती है, जो कुछ खास रंगों से जुड़ी होती है। मान्यता है कि यदि व्यक्ति दिन के अनुसार शुभ रंग के वस्त्र धारण करता है, तो उसके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, मानसिक शांति बनी रहती है और कार्यों में सफलता मिलने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि सप्ताह के किस दिन कौन से रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है।**

### सोमवार

सोमवार चंद्र देव और भगवान शिव को समर्पित माना जाता है। इस दिन सफेद, क्रीम और हल्का आसमानी रंग के वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि ये रंग मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और तनाव से राहत प्रदान करते हैं।

### मंगलवार

मंगलवार मंगल ग्रह और हनुमान जी का दिन है। इस दिन लाल, नारंगी और केसरिया रंग पहनना शुभ माना जाता है। ये रंग साहस, आत्मविश्वास और ऊर्जा का प्रतीक है।

### बुधवार

बुधवार बुध ग्रह और भगवान गणेश को समर्पित है। इस दिन हरा रंग जैसे पिस्ता, पैरट या डार्क ग्रीन पहनना शुभ रहता है मान्यता है कि इससे बुद्धिमता, संवाद कौशल और व्यापारिक निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होती है।

### गुरुवार

गुरुवार देवगुरु बृहस्पति और भगवान विष्णु का दिन माना जाता है। इस दिन पीला, सुनहरा और मस्टर्ड रंग के वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। ये रंग ज्ञान, सकारात्मकता, सौभाग्य और समृद्धि के प्रतीक हैं।

### शुक्रवार

शुक्रवार शुक्र ग्रह और माता लक्ष्मी को समर्पित है। इस दिन गुलाबी, सफेद और सिल्वर रंग पहनना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि ये रंग आकर्षण, सुख-सुविधाओं और आर्थिक समृद्धि में वृद्धि करते हैं।

### शनिवार

शनिवार शनि देव का दिन होता है। इस दिन काला, नेवी ब्लू और ग्रे रंग के वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। ये रंग अनुशासन, धैर्य और स्थिरता का प्रतीक हैं।

### रविवार

रविवार सूर्य देव को समर्पित है। इस दिन नारंगी, सुनहरा और गहरा पीला रंग पहनना शुभ माना जाता है। ये रंग आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, मान-सम्मान और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने वाले माने जाते हैं।

## कुंडली में पितृदोष बन सकता है पारिवारिक कलह और रुकावटों का कारण

**कुंडली में पितृदोष होने से व्यक्ति के जीवन में परेशानियां आ सकती हैं। खासकर पारिवारिक जीवन में लड़ाई-झगड़े और करियर के क्षेत्र में रुकावटों का कारण पितृदोष हो सकता है। इसलिए पितृदोष से मुक्ति पाने के लिए इससे जुड़े उपाय अवश्य करने चाहिए। आइए ऐसे में जान लेते हैं कि कुंडली में पितृदोष बनता कैसे है और इसके बुरे प्रभावों से बचने के लिए आपको क्या करना चाहिए।**

### पितृदोष कैसे बनता है?

कुंडली में सूर्य को पिता और पूर्वजों का कारक माना जाता है। अगर सूर्य की युति राहु-केतु या शनि के साथ हो रही है तो इसे पितृदोष माना जाता है।

पंचम और नवम भाव में राहु या केतु और सूर्य की युति हो तो पितृदोष अधिक गंभीर होता है।

नवम भाव कमजोर हो यानि नीच हो या 6,8, 12 भाव में हो तब भी पितृदोष कुंडली में मौजूद रहता है।

पांचवें भाव में यदि पाप ग्रह जैसे- शनि, राहु, केतु, मंगल विराजमान हों तो पितृदोष कुंडली मे रहता है।

### पितृदोष से मुक्ति के उपाय

पितृ दोष को दूर करने के लिए पीपल के वृक्ष की पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है क्योंकि पीपल के वृक्ष में पितरों का वास माना जाता है। पीपल को जल चढ़ाना, पीपल के पास दीपक जलाने से पितृ दोष से आपको मुक्ति मिल सकती है। हर पितृपक्ष के दौरान पितरों की पूजा करने से, पितरों के निमित्त तर्पण, दान आदि करने से पितृ दोष से मुक्ति आपको मिल सकती है। कौए को रोटी खिलाने, चीटियों को दान डालने, गाय की सेवा करने से भी पितृ दोष से आपको मुक्ति मिल सकती है। पितरों की कृपा प्राप्ति के लिए 'ॐ श्री सर्व पितृ देवताभ्यो नमो नमः' का जप आपको करना चाहिए। इस मंत्र का जप करने से पितृ दोष भी दूर होता है। भगवान विष्णु और महादेव की पूजा करने से पितृ दोष से आप मुक्ति पा सकते हैं। ब्रह्मणों को भोजन और जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र दान करने से भी पितृ दोष से आपको मुक्ति मिलती है। अमावस्या के दिन पितरों के निमित्त दान और तर्पण करना भी बेहद शुभ माना जाता है। अगर आप घर के बड़े-बुजुर्गों का आदर करते हैं और उनकी सेवा करते हैं तो आपको पितृ दोष के बुरे प्रभाव देखने को नहीं मिलते। पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए गया जाकर भी आप पितृ पूजन कर सकते हैं।

## आज का राशिफल

**मेष राशि** - चंद्रमा के ग्यारहवें भाव में होने से आज आपको अपने कुल प्रॉफिट और रेवेन्यू को तेजी से बढ़ाने पर फोकस करना चाहिए। प्रीति योग बनने से आज आपके प्रोडक्ट की डिमांड मार्केट में बहुत ज्यादा रहेगी, जिससे सेल्स में अचानक बड़ा उछाल आएगा।

**वृषभ राशि** - चंद्रमा के दसवें भाव में होने से आज आपको केवल अपने मुख्य जॉब प्रोफाइल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आज का दिन पॉलिटिशियन और समाजसेवियों के लिए किंग साइज जीने का है; आपकी लीडरशिप क्वालिटी निखरकर सामने आएगी और समाज में आपका वर्चस्व व मान-सम्मान तेजी से बढ़ेगा।

**मिथुन राशि** - चंद्रमा के नवम भाव में होने से आज किसी जरूरतमंद की आगे बढ़कर मदद करने से आपका भाग्य तेजी से चमकेगा। वीकेंड पर भाई-बहनों या कजिन्स के साथ चल रहा कोई पुराना जमीन या पारिवारिक विवाद आज बड़ों की मध्यस्थता से शांतिपूर्वक सुलझ जाएगा, जिससे घर में सुकून और हीलिंग का माहौल रहेगा।

**कर्क राशि** - चंद्रमा के अष्टम भाव में होने से आज ननिहाल या ससुराल पक्ष में किसी सदस्य के साथ अचानक तीखी बहस या अनबन होने की आशंका है, संयम रखें। आज कुंभ राशि में बनने वाला चंद्रमा-राहु का ग्रहण दोष आपके लिए थोड़ा मानसिक तनाव बढ़ा सकता है; इसलिए ऑफिस और बिजनेस में काम को टुकड़ों में बांटकर धीरे-धीरे निपटाएं।

**सिंह राशि** - चंद्रमा के सप्तम भाव में होने से आज पार्टनरशिप के बिजनेस में गजब की तेजी और मुनाफा देखने को मिलेगा। प्रीति योग बनने से अपने बिजनेस को फ्रैंचाइजी मॉडल के जरिए ग्लोबली फैलाने का कोई बहुत बड़ा रास्ता या विदेशी कॉर्पोरेट पार्टनर आज आपको मिल सकता है। दिन आपके लिए जैकपॉट जैसा साबित होगा।

**कन्या राशि** - चंद्रमा के छठे भाव में होने से आज आपको किसी पुरानी बीमारी या शारीरिक कष्ट से पूरी तरह परमानेंट छुटकारा मिल जाएगा। जो लोग लंबे समय से अपनी ड्रीम कंपनी में जॉब (Dream Job Offer) या प्लेसमेंट तलाश रहे है, आज उन्हें वहां से सीधे आकर्षक पैकेज पर जॉब ऑफर या लेटर ऑफ इंटेंट मिल सकता है, जिससे करियर चमक उठेगा।

**तुला राशि**-चंद्रमा के पांचवें भाव में होने से आज आपको एक अच्छे और अनुशासित छात्र की तरह दिन गुजारना चाहिए। वीकेंड पर आज ऑफिस में आपका काम का मैनेजमेंट इतना शानदार रहेगा कि आपके सभी प्रोजेक्ट्स समय से पहले खत्म हो जाएंगे, जिससे आप अपनी पर्सनल लाइफ और अपने शौक के लिए भरपूर वक्त निकाल पाएंगे।

**वृश्चिक राशि** -चंद्रमा के चतुर्थ भाव में होने से आज भूमि-भवन, रियल एस्टेट या प्रॉपर्टी की डीलिंग को लेकर परिवार में अचानक थोड़ा विवाद सामने आ सकता है, शांति बनाए रखें। आज कुंभ राशि का चंद्रमा-राहु का ग्रहण दोष आपके लिए थोड़ा मानसिक तनाव बढ़ा सकता है; इसलिए पैसों के लेन-देन या घरेलू बजट को लेकर लाइफ पार्टनर के साथ बहस करने से बचें।

**धनु राशि**-चंद्रमा के तीसरे भाव में होने से आज आपको अपने छोटे भाई की संगति और उसकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखनी चाहिए। प्रीति योग बनने से बिजनेस को स्केल करने के लिए आज आपको किसी पुराने इन्वेस्टर से दोबारा बड़ी फंडिंग या कैपिटल मिल सकती है, जिससे पैसों की तंगी हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।

**मकर राशि** - चंद्रमा के दूसरे भाव में होने से आज आपको अपनी पैतृक संपत्ति और पारिवारिक धन की उचित देखभाल करनी चाहिए। नौकरीपेशा लोगों का पुराना रुका हुआ बोनस, पीएफ (PF) का पैसा या पिछली बकाया सैलरी का हिस्सा आज अचानक आपके बैंक अकाउंट में क्रेडिट हो सकता है, जिससे बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी।

**कुंभ राशि**- चंद्रमा आज आपकी ही राशि में गोचर करेंगे, जिससे आपके विवेक, बुद्धिमता और एंथूज़ियाज़्म (उत्साह) में जबरदस्त डेवलपमेंट होगा। प्रीति योग बनने से आज देश की बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों के साथ टाई-अप करने और लॉन्ग-टर्म सप्लाई का कॉन्ट्रैक्ट साइन करने का मौका मिलेगा, जिससे आपका बिजनेस पूरी तरह से सेफ ज़ोन में आ जाएगा।

**मीन राशि**- चंद्रमा के बारहवें भाव में होने से आज आपको कॉरपोरेट वर्ल्ड के नए नियमों और कानूनी दांव-पेंचों को गहराई से सीखने की सख्त जरूरत है। आज कुंभ राशि में बनने वाला चंद्रमा-राहु का ग्रहण दोष आपके लिए थोड़ा भ्रम पैदा करने वाला रहेगा; कार्यस्थल पर आज आपके डेली टारगेट्स और डेडलाइंस को पूरा करने के लिए आपको ऑफिस में एक्स्ट्रा टाइम देना पड़ सकता है।

## मानसून में इम्युनिटी बढ़ाने वाली चीजें जरूर खाएं

### बीमारी और इंफेक्शन होने का खतरा कम होगा

**वात का असंतुलन-** नमी और ठंडी हवा की वजह से शरीर में वात बढ़ जाता है, जिससे जोड़ों में दर्द, अकड़न, बदन दर्द और थकान होती है।

**पित्त का असंतुलन-** गर्मी के बाद बारिश का मौसम जमीन से भाप छोड़ता है जो प्रकृति में एसिडिक होता है। इससे शरीर में पित्त बढ़ता है। पेट में जलन और एसिडिटी की परेशानी होती है। जिसका सीधा असर आपकी पाचन क्रिया पर पड़ता है, जिसके कारण खाना पचाने में समय लगता है।

**कफ का असंतुलन-** अगर आपको भी हल्की सी सर्दी लगने पर सर्दी, खांसी और कफ की समस्या होती है, तो इसका कारण आपका बढ़ा हुआ कफ दोष है। ऐसे में घबराकर घर में बंद होने की बजाय मौसम के हिसाब से खाने पीने में बदलाव करें। इससे आप मौसम का भी मजा ले पाएंगे और बीमार होने से भी बच जाएंगे। मानसून में इन 5 चीजों का सेवन करें, इसमें रोग प्रतिरोधक तत्व पाए जाते हैं।

### इम्युनिटी बढ़ाने वाली चीजें

हल्दी वाला दूध- हल्दी का स्वभाव गर्म होता है, इसलिए इससे मानसून के मौसम में गरम दूध में कम मात्रा में प्रयोग करने से सर्दी जैसी बीमारी में लड़ने की शक्ति मिलती है। हल्दी में शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं और नेचुरल हीलिंग का काम करती है।

**आंवला-** मानसून में आंवला खास तौर से फायदेमंद होता है, जब हमारा पाचन कमजोर हो जाता है और इन्फेक्शन ज्यादा होने लगते हैं। इसलिए आंवला जरूर खाएं। इससे इम्युनिटी बढ़ती है और सामान्य इंफेक्शन होने का खतरा भी कम होता है।

**च्यवनप्राश-** आयुर्वेद के सबसे पुराने और सबसे ज्यादा औषधीय गुणों वाले भोजन में च्यवनप्राश आता है। इसे खाने से ऊर्जा और सहनशक्ति बढ़ती है। आपको रोजाना इसका सेवन गुनगुने दूध या पानी से करना चाहिए।

**बरसात का मौसम सेहत के लिहाज से काफी संवेदनशील होता है। इस मौसम में लोग काफी ज्यादा बीमार पड़ते हैं। वातावरण में नमी और ठंडक की वजह से इंफेक्शन, बुखार और सांस की समस्याएं बढ़ने लगती हैं। आयुर्वेद के अनुसार मानसून का मौसम आपके शरीर में वात और पित्त का असंतुलन का कारण बनता है। आशा आयुर्वेदा क्लीनिक की डॉक्टर चंचल शर्मा ने बताया इस मौसम में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए क्या खाना चाहिए?**

## बारिश में लाइट जलाते ही आ जाते हैं कीड़े?

### दूर भगाने के लिए आज ही अपनाएं ये घरेलू उपाय

**मानसून आते ही घरों में एक आम परेशानी शुरू हो जाती है. जैसे ही शाम को बालकनी, बरामदे या घर के बाहर की लाइट जलती है, वैसे ही छोटे-छोटे कीड़े और पतंगे उसके आसपास उड़ने लगते हैं. कई बार इनकी वजह से बाहर बैठना भी मुश्किल हो जाता है. अगर आप हर बार केमिकल स्प्रे का इस्तेमाल नहीं करना चाहती हैं, तो घर में मौजूद कुछ आसान चीजों की मदद से भी इस परेशानी को कम किया जा सकता है. आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ आसान घरेलू उपाय.**

### सरसों के तेल वाला आसान उपाय

पॉलीथीन सीधे गर्म बल्ब को न छुए. शाम के समय इस आसान ट्रिक से बल्ब के आसपास मंडराने वाले कीड़ों की परेशानी काफी हद तक कम हो सकती है.

अगर बारिश के मौसम में बल्ब के आसपास बार-बार कीड़े जमा हो जाते हैं, तो सरसों के तेल का यह आसान घरेलू तरीका आजमा सकती हैं. इसके लिए 1 चम्मच सरसों का तेल और एक छोटी पॉलीथीन लें. सबसे पहले पॉलीथीन पर सरसों का तेल अच्छी तरह लगा दें. इसके बाद इसे बल्ब के होल्डर के पास सुरक्षित तरीके से इस तरह लगाएं कि

### यह तरीका कैसे काम करता है?

शाम के समय ज्यादातर कीड़े रोशनी की तरफ आकर्षित होकर आते हैं. बल्ब के पास पहुंचने पर कुछ कीड़े तेल लगी सतह पर चिपक सकते हैं, वहीं सरसों के तेल की तेज गंध भी कई कीड़ों को आसपास आने से रोकने में मदद कर सकती है. यह एक आसान घरेलू तरीका है, जिसमें किसी केमिकल स्प्रे की जरूरत नहीं पड़ती.

### पानी वाला आसान तरीका

अगर आप सरसों के तेल का इस्तेमाल नहीं करना चाहती हैं, तो एक और आसान उपाय अपना सकती हैं. एक चौड़ी थाली या बर्तन में पानी भरकर उसे उस लाइट के नीचे रख दें, जहां सबसे ज्यादा कीड़े आते हैं. रोशनी की तरफ उड़ने वाले कई कीड़े नीचे गिरने पर फर्श की बजाय पानी में चले जाते हैं, जिससे आसपास गंदगी कम फैलती है.

### नीम के तेल का स्प्रे भी है काम का

नीम का तेल भी बरसाती कीड़ों को दूर रखने में मदद कर सकता है. एक स्प्रे बोतल में पानी भरें. इसमें 2 से 3 चम्मच नीम का तेल डालें. थोड़ा-सा लिक्विड डिशवॉश मिलाकर अच्छी तरह हिलाएं. अब इस मिश्रण को खिड़कियों, दरवाजों और बालकनी के आसपास स्प्रे करें. आप चाहें तो शाम के समय बालकनी में नीम के तेल का दीया भी जला सकती हैं.

### इन बातों का भी रखें ध्यान

शाम के समय जरूरत होने पर ही बाहर की लाइट जलाएं. खिड़कियों और दरवाजों पर जाली लगाकर रखें. घर के आसपास पानी जमा न होने दें. बालकनी और बरामदे की नियमित सफाई करते रहें.

## प्रहलादराय डालमिया लायंस कॉलेज की 'राष्ट्रीय सेवा योजना'

**मुंबई।** लायंस क्लब ऑफ मालाड - बोरिवली व मालाड मेडिकल एसोशिएशन के संयुक्त तत्वाधान में स्वैच्छिक रक्तदान,निःशुल्क ब्लड ग्रुप डिटेक्शन, मधुमेह व हेमोग्लोबीन जांच, हड्डी का मिनरल डेन्सीटी टेस्ट, बी. पी. चेकअप एवं 'मेडिकल हिस्टरी' जानकर उपचार के सुझाव शिबीर का आयोजन मालाड (पं) स्तिथ कॉलेज परिसर में किया गया।

कॉलेज कर्णधार परिषद के महामंत्री लायन कन्हैयालाल घ. सराफ ने अयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। लायंस क्लब मालाड - बोरीवली के अध्यक्ष लायन निर्माण क. सराफ व मालाड मेडिकल एसोशिएशन के अध्यक्ष डॉ. मुकेश गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में लायन मुरारीलाल तुलस्यान मुख्य अतिथि, लायन विवेक नारसरिया व लायन अमित अग्रवाल-अतिथि विशेष, लायन के 1st व्हाइस डिस्ट्रीकट गवर्नर लायन विकास क. सराफ व 2nd वी डी जी लायन सुनील लावोटी के गरिमामय उपस्थित थी। क्लब के सेवा प्रभारी 'लायन बिपीन ल. अग्रवाल' कि कार्यक्रम में अहम भूमिका रही। क्लब के मानद मंत्री लायन दिनेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लायन संगीता मनीष कामलिया, व लायन शारदा सराफ को कार्यक्रम के आयोजन के लिए व सफल बनाने के लिए विशेष अभिनंदित किया गया।

लायन कमल रुइया, लायन संदीप डीडवानिया, प्राचार्य प्रो. डॉ. डी. एन. गंजेवार व छात्रों के साथ शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक कर्मचारी भी उपस्थित थे। 108 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान में हिस्सा लिया।

### कुम्हारी का पुराना स्वास्थ्य केंद्र खंडहर में तब्दील

# सरकारी संपत्ति लुट रही, अधिकारी मौन और जनप्रतिनिधि विकास के दावों में व्यस्त

**कुम्हारी।** नगर के मध्य स्थित पुराना स्वास्थ्य केंद्र आज अपनी बदहाली पर आंसू बहाने को मजबूर है। कभी क्षेत्र के नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने वाला यह सरकारी भवन अब जर्जर होकर खंडहर का रूप ले चुका है। भवन की खिड़कियां और दरवाजे तोड़े जा चुके हैं, अंदर रखा सरकारी सामान धीरे-धीरे गायब हो रहा है और असामाजिक तत्वों के लिए यह परिसर सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस पूरी स्थिति से संबंधित विभागीय अधिकारी, प्रशासनिक अमला और स्थानीय जनप्रतिनिधि पूरी तरह बेखबर नहीं हैं, फिर भी कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार शिकायतों और मांगों के बावजूद भवन की सुरक्षा, मरम्मत या पुनः उपयोग को लेकर कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। न तो परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की गई और न ही सरकारी संपत्ति को बचाने के लिए कोई प्रभावी कदम उठाया गया। परिणाम यह है कि जनता के टैक्स के पैसों से निर्मित करोड़ों रुपये मूल्य की संपत्ति धीरे-धीरे बर्बादी की कगार पर पहुंच गई है।

नगर में विकास कार्यों को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। नई सड़कें, नए भवन, नए प्रोजेक्ट और नए निर्माण कार्यों का लगातार प्रचार किया जाता है। लेकिन सवाल यह है कि जब पहले से मौजूद सरकारी भवन और सार्वजनिक संपत्तियां संरक्षण के अभाव में नष्ट हो रही हैं, तब विकास के इन दावों का वास्तविक अर्थ क्या रह जाता है? नगरवासियों के बीच यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि कहीं विकास का फोकस केवल नए निर्माण कार्यों तक सीमित तो नहीं हो गया है। लोगों का कहना है कि नए भवन, नई सड़कें और नई परियोजनाएं शुरू करने में अधिक रुचि दिखाई जाती है, जबकि पुराने सरकारी संसाधनों और संरचनाओं की अनदेखी कर दी जाती है।

आम नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि क्या पुराने भवनों के संरक्षण में कोई रुचि इसलिए नहीं दिखाई जाती क्योंकि वहां नए निर्माण कार्यों जैसी गतिविधियां और बजट नहीं होते? यह सवाल भले ही जनता के बीच चर्चा का विषय हो, लेकिन जिम्मेदार तंत्र को इसका जवाब देना चाहिए। यदि किसी सरकारी संपत्ति को वर्षों तक उपेक्षित छोड़ दिया जाए, उसकी सुरक्षा न की जाए और उसे असामाजिक तत्वों के भरोसे छोड़ दिया जाए, तो यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि सार्वजनिक संसाधनों के प्रति गंभीर गैर-जिम्मेदारी भी मानी जाएगी। आखिर जब नए विकास कार्यों के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा सकते हैं, तो पहले से मौजूद सार्वजनिक संपत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक बजट और इच्छाशक्ति क्यों नहीं दिखाई जाती?

स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। चुनाव के दौरान जनता के बीच विकास और जनहित के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन नगर की आंखों के सामने एक महत्वपूर्ण सरकारी भवन लगातार बर्बाद होता रहा और इस मुद्दे पर कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दी। इससे यह धारणा मजबूत हो रही है कि विकास की प्राथमिकताएं जमीनी जरूरतों के बजाय केवल दिखाई देने वाले निर्माण कार्यों तक सीमित होती जा रही हैं। नगरवासियों ने मांग की है कि पुराने स्वास्थ्य केंद्र की तत्काल सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, भवन की स्थिति का तकनीकी परीक्षण कराया जाए, गायब हुए सामान की जांच हो तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

# समाधान समारोह-2026 के प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु मध्यस्थ अधिवक्ताओं की बैठक संपन्न

**दुर्ग।** सर्वोच्च न्यायालय द्वारा न्याय को अधिक सुलभ, सरल एवं सहभागी बनाने के उद्देश्य से संचालित ÷समाधान समारोह-2026÷ के अंतर्गत प्राप्त प्रकरणों के सफल एवं समयबद्ध निराकरण हेतु प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के. विनोद कुजूर की अध्यक्षता में मध्यस्थ अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाधान समारोह के अंतर्गत प्राप्त प्रकरणों के अधिकाधिक सौहार्दपूर्ण एवं सहमति आधारित निराकरण के लिए आवश्यक कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण में पक्षकारों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए तथा जिन प्रकरणों में आवश्यक हो, उनमें पुनः समन जारी कर समय पर तामील कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि समाधान समारोह को सफल बनाने के लिए सभी अधिवक्ताओं का सक्रिय सहयोग प्राप्त किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण में समझौते की संभावनाओं का गंभीरतापूर्वक प्रयास किया जाए।

बैठक के दौरान प्रकरणों के निराकरण में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों, पक्षकारों की उपस्थिति, समन तामील, मध्यस्थता की प्रक्रिया तथा अन्य प्रशासनिक एवं व्यवहारिक विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, दिनांक 18 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 (चेक अनादरण) के प्रकरणों की विशेष लोक अदालत की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर सभी मध्यस्थ अधिवक्ताओं से अधिक से अधिक प्रकरणों का आपसी सहमति के आधार पर सफलतापूर्वक निराकरण कराने हेतु सक्रिय एवं समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि समाधान समारोह-2026 एवं विशेष लोक अदालत का उद्देश्य केवल लंबित प्रकरणों का निराकरण करना ही नहीं, बल्कि पक्षकारों को त्वरित, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण न्याय उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों, मध्यस्थों एवं अधिवक्ताओं से इस जनहितकारी पहल को सफल बनाने में पूर्ण समर्पण एवं सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया। बैठक में स्थायी एवं निरंतर लोक अदालत, दुर्ग की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा लकड़ा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर एवं मध्यस्थ अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

# भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ, जिला भिलाई की नई टीम घोषित प्रमुख पदों पर अहम नियुक्तियां

**भिलाई :** भाजपा के प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ जिला भिलाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देशन प्रदेश संयोजक कांतिलाल जैन के मार्गदर्शन एवं जिला संगठन प्रभारी रामजी भारती एवं जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन की सहमति से जिला संयोजक विनोद उपाध्याय द्वारा की गई । नई टीम में सूर्यकान्त पाण्डेय अम्बिका द्विवेदी नीता चौरसिया ,अरुण नायर, डॉ? अनु राणा को सह संयोजक की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है । वहीं डाकेश्वर परगनिहा तथा रजनीकांत अग्रवाल को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। मीडिया क्षेत्र में गुरुनाम सिंह को जिला मीडिया प्रभारी एवं कृष्ण कुमार सिंह को जिला आईटी सेल प्रभारी एवं मृत्युंजय द्विवेदी को जिला सोशल मीडिया प्रभारी का दायित्व दिया गया है ।

राकेश ओझा तथा रिंकी अग्रवाल एवं बिमलेश्वर पांडे को क्रमशः सह मीडिया प्रभारी तथा आईटी सेल सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गयी है । संगठन को मजबूत करने के लिए गोविन्द वर्मा को कार्यालय प्रभारी एवं महेश वर्मा को कार्यालय सह प्रभारी नियुक्त किया गया है । जिला कार्यसमिति सदस्य एवं मंडल संयोजक में भी प्रमुख नामों में सुरेश सर गोकुलेश तिवारी विवेक यादव, अजय वास्तव लोकप्रकाश चौधरी, रश्मि अमितेश, रजनीश सिंह, वैभव लाकुण्डे, राजेश चौबे, इसी अफजल अहमद अमित सिंह , , सोनाली माधवन, राम जी, डॉ? जितेन्द्र तिवारी ,गानेन्द्र सिंह, सीमा कन्नौजे उर्वशी वर्मा, राघवेंद्र साहू शीतल दुबे शुभम त्रिपाठी देवदत्त शर्मा,बीपी सिंह, तारकेश्वर, राजगुप्ता, सत्येन्द्र गुप्ता, अनिल विश्वकर्मा प्रकाश नायक। विष्णु राजपूत, गंगाराम साहू, नरेंद्र निषाद, छत्रपाल साहू सरिता चौबे राकेश वर्मा को प्रमुखता से शामिल किया गया है। इस टीम से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलने की उम्मीद है जिला संयोजक विनोद उपाध्याय ने कहा कि नई टीम शिक्षा के क्षेत्र में संगठन की विचारधारा को आगे बढ़ाने और संवाद में जागरूकता फैलाने का कार्य करेगी। वहीं, जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा जताई।

# भिलाई निगम का बड़ा एक्शन, नेहरू नगर में अवैध प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल पर चला बुलडोजर, 4 अवैध कब्जे हटाए

**भिलाईनगर।** नगर पालिक निगम भिलाई ने अवैध अतिक्रमण और कब्जों के खिलाफएक बार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए नेहरू नगर क्षेत्र में चार अलग-अलग अवैध प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल को ध्वस्त कर दिया। निगम और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने जेसीबी की मदद से कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटाया।नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार सभी जोन क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण, कब्जे और बिना अनुमति किए गए निर्माणों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जोन-1 क्षेत्र के नेहरू नगर स्थित हाईटेक हॉस्पिटल के समीप मॉडल टाउन में अवैध रूप से प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल बनाकर दुकानें संचालित किए जाने की शिकायत निगम को मिली थी। वार्ड प्रभारी की जांच रिपोर्ट में शिकायत सही पाए जाने के बाद निगम प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई का निर्णय लिया। राजस्व विभाग, बेदखली दस्ता और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन से चारों अवैध प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल को हटाकर कब्जा मुक्त कराया। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा, बिना अनुमति निर्माण और अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

# बैधनाथ पारा नाली निर्माण में शिकायत पर महापौर का औचक निरीक्षण, गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा, मानकों में कमी मिलने पर ठेकेदारों को कड़ी फटकार, सुधार नहीं होने पर काम रोकने व ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश

लोक कर्म प्रभारी देव नारायण ने टेप से की नाप-जोख, अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई के दिए निर्देश,

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम दुर्ग के वार्ड क्रमांक 38, बैद्यनाथ पारा स्थित महावीर कॉलोनी क्षेत्र में लगभग 15-15 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन दो नाली निर्माण कार्यों में अनियमितता की शिकायत मिलने पर महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, क्षेत्रीय पार्षद रामचंद्र सेन, अधिकारियों एवं संबंधित ठेकेदारों के साथ स्थल का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान महापौर ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, गहराई, चौड़ाई तथा उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री का बारीकी से परीक्षण कराया। स्थानीय नागरिकों द्वारा नाली निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किए जाने की शिकायत पर उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली तथा निष्पक्ष जांच कराने के निर्देश दिए।लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने स्वयं टेप से नालियों की नाप-जोख कराई। निरीक्षण के दौरान निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य नहीं पाए जाने पर उन्होंने संबंधित एजेंसी एवं ठेकेदारों के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए राजीव झा तथा संबंधित ठेकेदारों को सख्त फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि निर्माण कार्य में तत्काल सुधार नहीं किया गया तो कार्य रोकने के साथ-साथ संबंधित ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी।महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा कराए जा रहे प्रत्येक विकास कार्य में गुणवत्ता और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है। शासन की मंशा के अनुरूप किसी भी निर्माण कार्य में लापरवाही, अनियमितता या मानकों से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जांच में यदि किसी प्रकार की अनियमितता अथवा गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।महापौर ने संबंधित अधिकारियों को ठेकेदार राजीव झा एवं मनीष सोनी और राहुल सिंह के विरुद्ध आवश्यक जांच के लिए सैंपल लेकर लैब भेजा गया है जांच रिपोर्ट आने के बाद जिस फर्म के द्वारा गलत कार्य किया जा रहा पाया जाएगा ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए। साथ ही निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।इस दौरान स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी निर्माण कार्य में बरती जा रही कथित अनियमितताओं से महापौर को अवगत कराया। महापौर ने सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।निरीक्षण के दौरान पार्षद रामचंद्र सेन, पार्षद रंजीता पाटिल, पार्षद सुरूचि उमरे, पार्षद सावित्री दमाहे,ललिता ठाकुर, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, उप अभियंता मोहित मरकाम सहित नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।जन संपर्क/राजू बक्शी

# नशे के कारोबार पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई महिला तस्कर 1.57 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार

■ अस्पताल के पीछे गौठान गेट के सामने ग्राहक का इंतजार कर रही थी आरोपिया, 78,500 रुपये मूल्य का गांजा जब्त

**कुम्हारी।** दुर्ग पुलिस द्वारा जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कुम्हारी थाना पुलिस ने अवैध गांजा बिक्री के मामले में एक महिला आरोपिया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1.570 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 78,500 रुपये बताई गई है।

पुलिस ने आरोपिया को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना कुम्हारी क्षेत्र में अस्पताल के पीछे गौठान गेट के सामने एक महिला द्वारा अवैध रूप से गांजा रखकर बिक्री किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर दबिश दी। रेड कार्रवाई के दौरान महिला ग्राहक का इंतजार करते हुए संदिग्ध अवस्था में मिली। पुलिस द्वारा पूछताछ किए जाने पर महिला ने अपने पास गांजा रखना स्वीकार किया। इसके बाद तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 1.570 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने मौके पर ही गांजा जब्त कर आरोपिया के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया। अवैध मुनाफे के लिए कर रही थी गांजा बिक्री-प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपिया अवैध लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से गांजा का संग्रहण एवं बिक्री कर रही थी। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर 4 जुलाई 2026 को न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपिया की पहचान कोचिं देवार (30 वर्ष) पति मदन देवार, निवासी रामनगर, सब्जी मंडी के पास, कुम्हारी, थाना कुम्हारी, जिला दुर्ग के रूप में हुई है।

### महापौर निर्मल कोसरे बोले -बेटियों की शिक्षा में निवेश ही विकसित समाज की सबसे बड़ी पहचान

# सरस्वती सायकल योजना से 22 छात्राओं को मिली नई उड़ान

**भिलाई-3।** शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गनियारी में छत्तीसगढ़ शासन की सरस्वती सायकल योजना के तहत कक्षा नवमीं की 22 छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण गरिमामय वातावरण में किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने बेटियों की शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण को समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव बताते हुए छात्राओं को निरंतर शिक्षा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला भिलाई के प्रवक्ता प्रेम लाल साहू, अध्यक्षता शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के अध्यक्ष राज कुमार साहू, अति विशिष्ट अतिथि भिलाई-चरोदा नगर निगम के महापौर निर्मल कोसरे तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सीता साहू उपस्थित रहीं।

**महापौर निर्मल कोसरे ने बेटियों को दिया प्रेरणादायी संदेश**-अपने संबोधन में महापौर निर्मल कोसरे ने कहा कि बालिका शिक्षा किसी भी विकसित समाज की सबसे मजबूत आधारशिला है। सरकार की सरस्वती सायकल योजना केवल एक साइकिल वितरण कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेटियों के सपनों को नई गति देने का सशक्त माध्यम है। जब एक बेटी शिक्षित होती है, तो पूरा परिवार और समाज शिक्षित एवं जागरूक बनता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलने से उनकी पढ़ाई बाधित नहीं होगी और ड्रॉपआउट दर में भी कमी आएगी। उन्होंने छात्राओं से नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ अपने जीवन के बड़े लक्ष्य तय करने का आह्वान करते हुए कहा कि आपके हाथों में सिर्फ साइकिल नहीं, बल्कि आपके उज्ज्वल भविष्य की चाबी है। इसका सदुपयोग कर अपने माता-पिता, विद्यालय और पूरे प्रदेश का नाम रोशन करें।

**प्रेम लाल साहू बोले - शिक्षा ही जीवन की सबसे बड़ी ताकत**-मुख्य अतिथि प्रेम लाल साहू ने कहा कि सरस्वती सायकल योजना बेटियों के आत्मविश्वास, शिक्षा और सशक्तिकरण को नई दिशा देने वाली महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने कहा कि शिक्षित बेटी परिवार ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। छात्राओं से मेहनत, अनुशासन और निरंतर अध्ययन के साथ आगे बढ़ने तथा बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए पूरी निष्ठा से प्रयास करने का आह्वान किया। शिक्षा सबसे बड़ा धन- राज कुमार साहू-कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज कुमार साहू ने कहा कि शिक्षा से बड़ा कोई धन नहीं है। विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करते हुए अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने छात्राओं से साइकिल का सुरक्षित उपयोग करने और नियमित विद्यालय आने की अपील की।

**सीता साहू ने किया आत्मनिर्भर बनने का आह्वान**-पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सीता साहू ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा, संस्कार और अनुशासन जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने छात्राओं से आत्मनिर्भर बनने, कठिनाइयों का डटकर सामना करने और अपने सपनों को साकार कर समाज के लिए प्रेरणा बनने का संदेश दिया। विद्यालय के प्राचार्य आर.के. घोष ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया तथा छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन साहू सर ने किया। इस अवसर पर बिसंभर साहू, बिसौहा राम वर्मा, यतींद्र वर्मा सहित विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे।

# भाजपा करतला मंडल में डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

**करतला।** कोरबा भारतीय जनता पार्टी करतला मंडल के द्वारा डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री सरजू अजय शामिल हुए। मुख्य वक्ता सरजू अजय ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म के महत्व और उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डिजिटल माध्यम से पार्टी की नीतियों, योजनाओं और संगठनात्मक गतिविधियों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्लेटफार्म से जुड़कर संगठन को और मजबूत बनाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर अजा मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजेश लहरे, करतला मंडल अध्यक्ष रामकुमार गवेल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष आकाश सक्सेना, पूर्व मंडल अध्यक्ष नटवर शर्मा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com